नवोदय

ੴ ਸ੍ਰੀ ਵਾਹਿਗੁਰੂ ਜੀ ਕੀ ਫ਼ਤਹਿ

पंजाब एण्ड सिंध बैंक की तिमाही गृह पत्रिका दिसंबर 2023

Navodaya

Punjab & Sind Bank Quarterly House Journal | December 2023

Our Worthy MD & CEO Sh. Swarup Kumar Saha addressing inaugural session of " National Finance Conference on Sustainable Finance for a Resilient Future" organized by Lal Bahadur Shastri Institute of Management, Dwarka, New Delhi.

नवोदय Navodaya

पंजाब एण्ड सिंध बैंक की तिमाही गृह पत्रिका | दिसंबर 2023

Punjab & Sind Bank Quarterly House Journal | December 2023

(केवल आंतरिक वितरण हेतु)

प्रधान कार्यालय, बैंक हाउस, 21 राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली – 110008

Head Office, Bank House, 21, Rajendra Place, New Delhi - 110008

editor.navodaya@psb.co.in | 011-25763539

मुख्य संरक्षक / Chief Custodian

श्री स्वरूप कुमार साहा

Shri Swarup Kumar Saha

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी / MD & CEO

संरक्षक / Custodian

डॉ. रामजस यादव

Dr. Ram Jass Yadav

कार्यकारी निदेशक / Executive Director

श्री रवि मेहरा

Shri Ravi Mehra

कार्यकारी निदेशक / Executive Director

मुख्य संपादक / Chief Editor

श्री गजराज देवी सिंह ठाकुर

Shri Gajraj Devi Singh Thakur

महाप्रबंधक / General Manager

संपादक मंडल / Editorial Board

श्री राजेश सी पांडे

Shri Rajesh C Pandey

महाप्रबंधक / General Manager

श्री निखिल शर्मा

Shri Nikhil Sharma

मुख्य प्रबंधक (संपादक) / Chief Manager (Editor)

श्रीमती भारती

Smt. Bharati

प्रबंधक (सह–संपादक) / Co-Editor

पंजाब एण्ड सिंध बैंक गृह पत्रिका में प्रकाशित सामग्री में दिए गए विचार, संबंधित लेखक के अपने हैं। पंजाब एण्ड सिंध बैंक का प्रकाशित विचारों से सहमत होना जरूरी नहीं है। सामग्री की मौलिकता एवं कॉपी राइट अधिकारों के प्रति भी लेखक स्वयं उत्तरदायी है।

मुद्रक : इनफिनिटी एडवर्टाइजिंग सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड, एफबीडी वन कॉर्पोरेट पार्क, 10वीं मंजिल, नई दिल्ली फरीदाबाद बॉर्डर, एनएच–1, फरीदाबाद–121003

विषय सूची/INDEX

क्र. सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	संपादक मंडल / विषय–सूची	1
2	शुभकामनाएं एवं सुझाव	2
3	संपादकीय	3
4	Guidelines Issued By RBI	4 - 5
5	अंचल कार्यालयों जयपुर के अधीन शाखा नाथद्वारा का शुभारंभ	6
6	कारोबार में मूल्य और आचार	7-10
7	दिसंबर 2023 को समाप्त तिमाही हेतु बैंक के वित्तीय परिणाम	11
8	दिनांक 31.12.2023 तक अंचल कार्यालयों का कार्य प्रदर्शन	12-13
8	Destination Training	14
9	Distribution of cheque for Accidental Death Claim	15
10	Live in Peace….and not in Pieces	16-17
11	बैंक के कॉर्पोरेट कार्यालय में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन	18
12	भ्रष्टाचार से मना करें, राष्ट्र के लिए समर्पित रहें	19-21
13	अंचल कार्यालयों में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियां	22-23
14	Important Circulars Issued by Bank	24-25
15	Branch Incharges Review Meeting: Noida Zone	26
16	Branch Incharges Review Meeting: Vijaywada Zone	27
17	Risk & Dangers Of Using Artificial Intelligence	28-30
18	बैंक की शाखाओं के नए परिसर का शुभारंभ	31
19	नागरिक के जीवन में सतर्कता की भूमिका	32-34
20	V-CIP (Video Customer Identification Process) and its Advantage in Banks	35-37
21	व्यवसाय में लाभप्रदता और मूल्य प्रणाली	38-42
22	अविस्मरणीय घटना	43-44

शुभकामनाएं एवं सुझाव/Letter to the Editor

आप द्वारा प्रेषित बैंक की त्रैमासिक गृह पत्रिका नवोदय का सितंबर 2023 अंक प्राप्त हुआ। हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में पत्रिका के सारगर्भित संकलन, कुशल संपादन, गुणवत्ता संपन्न प्रकाशन के लिए संपादक मण्डल अभिनन्दनीय है। पत्रिका में बैंक की विभिन्न योजनाएं, गतिविधियां, वित्तीय–बैंकिंग आलेखों के साथ यह अंक रुचिकर, ज्ञानवर्धक और लोकोपयोगी है।

पंजाब एण्ड सिंध बैंक के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए नवोदय पत्रिका अँकुरित होकर भारत के बैंक समुदाय में एक सशक्त हस्ताक्षर के रूप में जुड़ रहा है। वित्तीय नीतियों को सुगमता के साथ लिपिबद्ध कर प्रकाशित किया गया है। हमें लगता है कि वर्तमान को भविष्य की ओर बढ़ाने के लिए बैंक को अपने बुनियादी दिनों का आलेखन प्रकाशित करना चाहिए। यदि ऐसा हो सका तो समाज के कमजोर वर्ग के लोगों के आर्थिक उत्थान द्वारा उनके जीवन स्तर को ऊंचा उठाने हेतु सामाजिक वचनबद्धता के सिद्धांतों की प्रदक्षिणा प्रत्येक अंक कर सकेगा। यही बैंक का इतिहास लेखन होगा सदियाँ जहाँ विश्राम करेंगी। आप सभी का प्रयास अद्‌भुत है। परस्पर सामंजस्य इस पत्रिका के प्रत्येक पृष्ठ पर अंकित है। संपादक मण्डल को साधुवाद काशी के गङ्गा तट से।

यतीन्द्र नाथ चतुर्वेदी
संयुक्त हिन्दी सलाहकार समिति,
केंद्रीय वित्त मंत्रालय (राजस्व) भारत सरकार

आपकी इस पत्रिका में प्रकाशित सभी आलेख मुख्य रूप से डिजिटल ऋणः चुनौतिया एवं संभावनाएं, डिजिटल बैंकिंग में भाषा का योगदान एवं अन्य रचनाएं पठनीय एवं ज्ञानवर्धक हैं, इनमें बैंक की गतिविधियों एवं अन्य खबरों का व्यवस्थित रूप से समावेश किया गया है। इसके प्रकाशन से जुड़ी टीम का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है।

उमानाथ मिश्र
मुख्य प्रबंधक (राजभाषा), बैंक ऑफ बड़ौदा

हमारी "नवोदय" पत्रिका अंक दर अंक तकनीकी व विभिन्न रुचिकर विषयवार लेख सामग्री और छायाचित्रों के बेहतर संकलन से सुसज्जित होती जा रही है। पत्रिका के विभिन्न विषयों पर चयनित लेख ज्ञानवर्धक जानकारी प्रदान करते हैं चाहे वह बैंकिंग क्षेत्र से संबंधित हो या सांस्कृतिक सभी प्रशंसनीय हैं। पत्रिका को पढ़ते समय अपने बैंक के व्यापार संबंधी लेख के साथ–साथ हास्य व्यंग्य जैसे–कार्टून कोना इस पत्रिका के पाठकगणों को हंसाता है जोकि पत्रिका को रोचक बनाता है। कुछेक शीर्षक पर चयनित लेख जैसे–तकनीकी युग में बैंक का कृषि क्षेत्र में योगदान, डिजिटल डेटा संरक्षण अधिनियम, 75वें स्वतंत्रता दिवस, स्वच्छता पखवाड़ा और मेरी माटी मेरा देश पर आयोजित कार्यक्रम व लेख विशेष रूप से सराहनीय है।

इसके लिए प्रधान कार्यालय की संपादक मण्डल टीम के प्रत्येक सदस्य बधाई के पात्र है। मेरी तरफ से संपादक मण्डल की टीम को मंगलकामनाएं। मैं, नवोदय "पत्रिका के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

विनय खंडेलवाल
आंचलिक प्रबंधक, लखनऊ

संपादकीय

प्रिय साथियो,

नवीन वर्ष में नवीन पथ वरो,
नवीन वर्ष में नवीन प्रण करो,
नवीन वर्ष में नवीन रस भरो,
धरो नवीन देश– विश्व धारणा।

नवीन वर्ष में नवीन चेतना और उत्साह का आह्वान करते हुए, आप सभी को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं। वर्ष नवीन है, तो हम सभी में कार्य करने की ऊर्जा भी नवीन होनी चाहिए। हमें थक कर बैठना नहीं, बल्कि बैंक के व्यापार में अथाह वृद्धि करनी है, यही हमारा परम उद्देश्य होना चाहिए। बैंक द्वारा उठाए गए विभिन्न नवोन्मेषी कदमों तथा आप सभी के सतत प्रयासों से आज के कठिन आर्थिक दौर में भी हमारे बैंक ने कई उपलब्धियाँ दर्ज की हैं। हम अपने छोटे–छोटे प्रयासों से सफलता प्राप्त कर सकते हैं तथा आप सभी के इन्हीं सम्मिलित प्रयासों से ही बैंक लाभप्रदता की ओर आगे बढ़ पाएगा। इस प्रतिस्पर्धी बाजार व्यवस्था में हमें निरंतर संघर्ष करते हुए उन्नति की ओर कदम बढ़ाते रहना है। मुझे आशा है कि भविष्य में भी हम सभी सकारात्मक उर्जा के साथ कार्य करते हुए नये लक्ष्यों को प्राप्त करेंगे।

गृह पत्रिका नवोदय अपने विचारों और अनुभवों को दूसरों तक जोड़ने का एक साझा प्रयास है। इसी उद्देश्य से पत्रिका में अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं रोचक लेख एवं कार्टून को भी समाहित किया जाता है। इसके अतिरिक्त गृह पत्रिका नवोदय के इस अंक में मुख्य रूप से बैंक में आयोजित विभिन्न गतिविधियों, बैंक के विभिन्न उत्पादों, नीतियों, महत्वपूर्ण परिपत्रों सहित Live in Peace…and not in Pieces, Risk & dangers of using artificial intelligence, कारोबार में मूल्य और आचार, भ्रष्टाचार मुक्त भारत में सतर्कता की भूमिका आदि लेख भी समाहित किए गए हैं, जो हमारी जानकारी को पोषित करते हैं। इसलिए आप सभी अपने विचारों को पत्रिका के माध्यम से साझा करते रहें।

मुझे विश्वास है कि आप इसे उपयोगी और सूचनाप्रद पाएंगे। बैंकिंग के विविध पहुलओं को समेटे यह पत्रिका आपको कैसी लगी, इसके अनवरत सुधार की दिशा में आपकी प्रतिक्रिया एवं सुझावों का हमें सदैव इंतजार रहेगा।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित!

(गजराज देवी सिंह ठाकुर)
महाप्रबंधक एवं मुख्य संपादक

GUIDELINES ISSUED BY RESERVE BANK OF INDIA TO BE EFFECTIVE FROM FY 2024-25

Vineet Yadav

Reserve Bank of India, the apex body of Indian Banking, has issued certain guidelines which shall become effective mandatorily from FY 2024-25. The details of the same are as mentioned below:

- "Fair Lending Practice - Penal Charges in Loan Accounts" vide circular dated 18.08.2023
- "Strengthening of customer service rendered by Credit Information Companies and Credit Institutions" and "Framework for Compensation to customers for delayed updation/rectification of credit information" vide circulars dated 26.10.2023.

The gist of guidelines issued by RBI are detailed hereunder:

Penal Charges:

- Penalty, if charged, for non-compliance of material terms and conditions of loan contract by the borrower shall be treated as 'penal charges' and shall not be levied in the form of 'penal interest' that is added to the rate of interest charged on the advances.
- There shall be no compounding on penal charges, i.e., no further interest computed on such charges.
- The quantum of penal charges shall be reasonable and commensurate with the non-compliance of material terms and conditions of loan contract without being discriminatory within a particular loan / product category.
- Penal charges levied to individuals should not be more than non-individuals for similar defaults.
- The quantum and reason for penal charges shall be clearly disclosed to the customers in the loan agreement and Sanction Letter/Key Fact Statement (KFS), as applicable.
- Reminder shall be sent to the borrower on date of default (financial/non-financial) communicating nature/reasons of default and applicable penal charges.
- Further, whenever, the penal charges are levied in the account, communication shall be sent to the borrower mentioning the amount and reason for the penal charges levied in the account on the same day itself.
- Penal charges shall be applicable on all credit facilities irrespective of nature, type etc.

Crux: Penalty imposed for any material default (financial or non-financial) should not be used as a revenue enhancement tool by the lenders.

Guidelines w.r.t. rectification/updation of information with Credit Information Companies (CICs):

- Bank shall have a dedicated nodal point/ official of contact for CICs for redress of customer grievances.
- Bank shall undertake Root Cause Analysis (RCA) of the customer grievances at least on a half yearly basis.
- Bank shall inform the customers the reasons for the rejection of their request for data correction.
- Branches to take consent from the customer invariably for accessing their respective Credit report.
- SMS/Email shall be sent to the customers while submitting information to CICs regarding default/ Days Past Due (DPD) in existing credit facilities, wherever the mobile number/ email ID details are available. Branches to guide the customers for submission of their mobile numbers/ email ids.
- The Bank shall forward the corrected particulars of the credit information to the CIC or complainant within a specific period (details of which shall be shared shortly) from the date when the Bank was informed of the inaccuracy in the credit information. Complaint to be redressed completely and information along with fresh credit report to be sent to the complainant within 30 calendar days of receipt of complaint.
- Delay, at any level may lead for a compensation of ₹100 per calendar day in case their complaint is not resolved within a period of thirty (30) calendar days from the date of the initial filing of the complaint by the complainant with Bank/ CICs.

- Bank shall pay compensation to the complainant if it has failed to send updated credit information to the CICs by making an appropriate correction or addition or otherwise within twenty-one (21) calendar days of being informed by the complainant or a CIC.
- The compensation amount, if any, shall be credited to the bank account of the complainant within 05 working days of resolution of the complaint.
- In case the request has been rejected, complainant shall be informed the reasons(s) for rejection of the same through E-Mail ID or letter on postal address.
- The complainant can approach RBI Ombudsman, under the Reserve Bank - Integrated Ombudsman Scheme, 2021, in case of wrongful denial of compensation by CIs or CICs.

Crux: Strengthening of dispute redressal mechanism and improvement in Data Quality Index submitted to CICs.

Manager
H.O Credit Monitoring Deptt.

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान प्रधान कार्यालय सतर्कता विभाग द्वारा कार्यशाला का आयोजन।

श्री विश्वजीत सिंह, परामर्शदाता (केंद्रीय सतर्कता आयोग) तथा श्री स्वरूप कुमार साहा (एमडी एवं सीईओ) सहित बैंक के अन्य उच्चाधिकारीगण स्टाफ प्रशिक्षण कॉलेज, रोहिणी में कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए।

अंचल कार्यालय जयपुर के अधीन शाखा नाथद्वारा का शुभारंभ

श्री स्वरूप कुमार साहा (एमडी एवं सीईओ) शाखा का उद्घाटन करते हुए।

शाखा में अरदास एवं पाठ का आयोजन तथा श्री स्वरूप कुमार साहा (एमडी एवं सीईओ) द्वारा ग्राहकों को संबोधित किया गया।

कारोबार में मूल्य और आचार

मूल्य और आचारः ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

अरबिंद कुमार

उत्पत्तिः मूल्य (value) शब्द की उत्पत्ति ग्रीक भाषा के valore शब्द से हुई है मूल्य चार प्रकार के होते है धर्म, अर्थ, मोक्ष और काम। नीतिशास्त्र के लिए अंग्रेजी में एथिक्स शब्द का प्रयोग होता है। आचार, प्राचीन हिन्दू विधि (धर्म) की एक महत्वपूर्ण संकल्पना है जो किसी समुदाय या सामाजिक समूह की प्रथाओं को इंगित करता है। इसे सदाचार भी कहते हैं।

परिभाषाः— ये मूल्य ऐसे आदर्श या मानक होते हैं जो किसी समाज या संगठन या फिर व्यक्ति के लिये दिशा—निर्देश के रूप में कार्य करते हैं।

विशेषताएँः— मूल्य, व्यक्ति के व्यवहार या नैतिक आचार संहिता का महत्त्वपूर्ण घटक हैं। मूल्य की व्याख्या विभिन्न क्षेत्रों में अपने—अपने अनुसार होती है। मूल्यों का अर्थ सबसे गहरे आदर्शों से होता है। वस्तुतः अर्थव्यवस्था में जिसकी जितनी मांग है उसका उतना मूल्य है, नीतिशास्त्र में जो अनुचित है। वह मूल्यहीन है और सौन्दर्यशास्त्र में जो सुन्दर है वह मूल्यवान है। उदाहरणस्वरूप शांति, न्याय, सहिष्णुता, आनंद, ईमानदारी, समयबद्धता, अनुशासन, बड़ों का सम्मान करना आदि प्रसिद्ध मूल्य है। मूल्य सामाजिक जीवन को संभव व श्रेष्ठ बनाने के लिये आवश्यक हैं। विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से विकसित ये मूल्य हमारे मन में गहराई तक बैठे होते हैं। मूल्य व्यक्ति के चरित्र का निर्माण करते हैं तथा नागरिकों का चरित्र राष्ट्र के चरित्र का निर्माण करता है।

मूल्य निर्माण में परिवारः— मूल्यों के निर्माण में परिवार पहली सीढ़ी होती है जिस पर चढ़कर मानवीयता के लक्ष्य को प्राप्त करना आसान होता है। परिवार समाज की सबसे छोटी इकाई है। यह वह संस्था है जहाँ से निकलकर मानव नागरिक बनता है तथा समाज का निर्माण करता है। ध्यातव्य है कि कई समाज मिलकर राष्ट्र का निर्माण करते हैं। नागरिकों के मूल्य, स्वभाव, विचार आचरण, व्यवहार से मिलकर राष्ट्र के चरित्र का निर्माण होता है। जन्म के समय बच्चा न तो नैतिक होता है और न ही अनैतिक। बच्चे की प्रथम पाठशाला माता—पिता एवं परिवार होता है। बच्चे का नैतिक व अनैतिक होना प्रथमतः परवरिश के तौर—तरीकों एवं पारिवारिक परिवेश पर निर्भर करता है।

परिवार कब, कैसे, कितना और किस प्रकार के मूल्यों को देना चाहता है। 6 वर्ष तक की आयु ऐसा पड़ाव होता है जब बालक दूसरों के आचरण से सबसे अधिक प्रभावित होता है। इसीलिये प्राथमिक स्तर पर मूल्य इसी उम्र में निर्धारित होते हैं अर्थात् बच्चे के प्राथमिक मूल्यों का विकास परिवार से ही होता है यथा अच्छे—बुरे, सही—गलत का ज्ञान, सामाजिक—रीतिरिवाज, परंपरा, धर्म, राष्ट्रीयता, दया, करुणा, अनुशासन आदि। व्यावहारिक एवं चारित्रिक मूल्यों का बोध परिवार से ही होता है। 6 वर्ष की आयु के बाद भी मूल्यों का विकास होता है, परंतु प्रभाव का स्तर धीरे—धीरे कम हो जाता है। प्रशिक्षण, प्रोत्साहन, निंदा व दंड कुछ ऐसे उपकरण हैं। जिनसे ये मूल्य विकसित किये जा सकते हैं। इसका भी प्रभाव पड़ता है कि परिवार एकल है या संयुक्त। ऐसा संभव है कि एकल परिवार से वैयक्तिक होने का मूल्य प्राप्त हो और संयुक्त परिवार से साथ रहने का।

मूल्य निर्माण में समाजः— समान आचार—विचार, व्यवहार, मान्यताओं, रीति—रिवाजों वाले लोग मिलकर समाज का निर्माण करते हैं।

व्यक्तियों के सामाजिक—साहचर्य वाले समूह को समाज कहा जा सकता है। परिवार के बाद व्यक्ति के मूल्य निर्माण में समाज की

महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। सामाजिक परिवेश में रहकर नैतिक मूल्यों में परिपक्वता आती है।

वैसे तो समाज की वास्तविक भूमिका विद्यालय जाने के साथ प्रारंभ होती है, परंतु उससे पूर्व 6 वर्ष तक समाज व परिवार मूल्य विकास में बराबर की भागीदारी निभाते हैं। आरंभ में मूल्यों का विकास कम होता है, किंतु ज्यों–ज्यों संपर्क बढ़ता है, मूल्यों का विकास भी उत्तरोत्तर होता जाता है।

चरित्र के बिना ज्ञानः– गांधी के चरित्र का आधार आत्म–संयम है। आत्म–संयम वही रख सकता है जो सदाचार के नियमों का पालन करता है जहाँ मनुष्य के हृदय में लोभ की प्रधानता नहीं रहेगी। वहाँ धन बिना कर्म को मंजूर नहीं होगा। गलत तरीके से कमाया हुआ धन चरित्र पर कलंक लगा देता है। सुंदर चरित्र व्यक्तित्व बिना ज्ञान भी कभी–कभी पाप की श्रेणी में आता है। (यंग इंडिया के 22 अक्टूबर 1925 के संस्करण में प्रकाशित लेख में गाँधी) निष्कर्षतः परिवार एवं समाज दोनों मूल्यों के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस संबध मे विभिन्न विद्वानों के मत इस प्रकार हैः

हेनरी फोर्ड के अनुसार ऐसा कारोबार जोकि सिर्फ पैसे के अलावा कुछ और सृजन नहीं करता वह एक निम्न किस्म का कारोबार है।

माइकल जोसफसन के अनुसार कारोबारी आचार जैसी कोई चीज नहीं होती, बल्कि आचार केवल आचार और मूल्य होता है और कोई न तो वास्तव में और न ही काल्पनिक ऐसी कोई आवश्यकता होती है जिसमे गलत तरीके से लाभ प्राप्त किया जाए।

फ्रैंक सॉनेबेर्ग के अनुसार ''गैर आचारिक तरीके से व्यापार किये जाने से व्यापार की लागत में कहीं ज्यादा वृद्धि हो जाती है।''

रोबर्ट नोयसे के अनुसार "यदि कारोबार में उच्चतम स्तर पर आचरण कमजोर है तो वह आपके कारोबार की नीव हिला देगा"

कारोबार के दृढ़निश्चय निम्न हैः– सामाजिक परिस्थिति, आर्थिक परिस्थिति, सांस्कृतिक परिस्थिति, राजनीतिक परिस्थिति और संगठनात्मक आचार।

जिस प्रकार समाज में एक सम्मानित जीवन जीने के लिए हमें उच्च आदर्शो का पालन करता पड़ता है ठीक उसी प्रकार हमें कारोबार में भी एक स्थापित कारोबारी बनने के लिए कारोबार के लिए स्थापित उच्च आदर्शों का पालन करते हुए एक स्थापित कारोबार के क्षेत्र में अपने को स्थापित कर सकते है जीवन हमें फिर भी निजी संबन्धो की वजह से शायद एक बार मौका मिल सकता है लेकिन कारोबार में एक बार साख गिर गयी तो वापस आना बहुत बड़ी चुनौती होती है। इसीलिए हर कारोबारी अपने कारोबार की साख बनाये रखने की कोशिश करता है। बैंक भी इसीलिए हमेशा अपनी साख (reputation) को बनाये रखने के लिए प्रतिबद्ध रहते है। कारोबार में साख ही होती है जोकि किसी व्यापार को स्थानीय से वैश्विक बना देती है इसलिए जरूरी है कि जब हम कारोबार की बात करते है तो उसके सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक कारोबार में मूल्य और आचार भी है।

कारोबार में विजन और मिशनः–

एक मिशन वक्तव्य किसी संगठन के अस्तित्व के कारण की संक्षिप्त व्याख्या है और इसके उद्देश्य, इरादे और समग्र उद्देश्यों का वर्णन करता है। मिशन वक्तव्य दृष्टिकोण का समर्थन करता है। साथ ही कर्मचारियों, ग्राहकों, विक्रेताओं और अन्य हितधारकों को उद्देश्य और दिशा बताने का काम करता है। एक प्रभावी दृष्टिकोण टीम को प्रेरित करता है, उन्हें दिखाता है कि सफलता कैसी दिखेगी और महसूस होगी।

कारोबार में मिशन एक प्रकार से इसे हम कारोबार का कंपास या दिशासूचक यँत्र भी कह सकते है। इसके छः भाग होते है जिन्हे निम्न प्रकार समझा जा सकते है।

1. **दिशा निर्देश**
2. **फोकस या केंद्र बिंदु**
3. **अर्थ**
4. **नीति**
5. **चुनौतियाँ**
6. **जूनून**

मिशन के तत्वः– कारोबार में किसी भी मिशन के तत्व निम्न प्रकार है। ग्राहक, उत्पाद और सेवा, बाजार, तकनीकी, सार्वजनिक छवि और कर्मचारी उपर्युक्त तत्वों को ध्यानपूर्वक अनुपालन करने से हमारे मिशन की सफलता निश्चित है।

माइक्रोसॉफ्ट कम्पनी का मिशन निम्न हैः– "ग्रह पर प्रत्येक व्यक्ति और प्रत्येक संगठन को और अधिक हासिल करने के लिए सशक्त बनाना है।"

गूगल का मिशन वक्तव्य निम्न प्रकार है– हमारा मिशन दुनिया भर की जानकारी को व्यवस्थित करना और इसे सार्वभौमिक रूप से सुलभ और उपयोगी बनाना है। प्रसिद्ध खेल–कूद के सामान बनाने वाली कम्पनी नाइके का मिशन है। विश्व के प्रत्येक एथलीट के लिए प्रेरणा और नवीनता लाना । यदि आपके पास शरीर है, तो आप एक एथलीट है।

टाटा समूह का मिशन वक्तव्य– विश्वास के साथ नेतृत्व के आधार पर दीर्घकालिक हितधारक मूल्य निर्माण के माध्यम से

वैश्विक स्तर पर जिन समुदायों की हम सेवा करते हैं, उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है।

कारोबार में विजन– किसी कंपनी का विजन वक्तव्य एक बयान है जो कंपनी की भविष्य की आकांक्षाओं और लक्ष्यों को रेखांकित करता है। यह लंबी अवधि की दिशा को परिभाषित करता है जिसे कंपनी लेना चाहती है और इसका प्रभाव अपने उद्योग, ग्राहकों और समाज पर डालना चाहता है। किसी भी व्यक्ति कारोबार या कंपनी के लिए विजन उतना ही महत्वपूर्ण होता है जितना कि एक छात्र के लिए कि उसे आगे जाकर करना क्या है या क्या बनना है उसे जीवन में क्या हासिल करना है।

विजन किसी कारोबार का आधार होता है उसकी आकांक्षाओं का स्वप्न होता है। विजन हमेशा सभी कम्पनी के हिस्सेदारों को चाहे वह प्रबंधन हो या अंशधारक या कर्मचारी हो सभी को प्रेरित करता रहता है कि उसे कारोबार को किस स्तर पर पहुंचना है और उसे यह बताता रहता है कि वह इस लक्ष्य को हासिल करने में उसका क्या योगदान हो सकता है और उसे अपना सर्वश्रेष्ठ देना है हमारे पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ऐ.पी.जे. अब्दुल कलाम के शब्दों में **''सपने वह नहीं होते जो हम सोकर देखते है सपने वह होते है जो आपको सोने नहीं देते है''** बिना विजन के कारोबार कभी भी अपना सर्वोत्तम नहीं दे सकता जैसे एक छात्र का अगर विजन स्पष्ट नहीं है, वह पास तो हो जाएगा लेकिन क्या वह किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफल हो पाएगा! जबाब है, नहीं। क्योंकि उसे अगर पता ही नहीं होगा की उसे क्या करना है तो वह रोडमैप ही नहीं बना पायेगा। ऐसे में वह पहुंचेगा भी कैसे? इसलिए अगर किसी कारोबार का विजन स्पष्ट नहीं होगा तो वह कभी भी ऊँचाई पर नहीं पहुँच पायेगा।

एक बात ध्यान देने योग्य है कि विजन आप उच्च मूल्यों के सहारे ही प्राप्त कर सकते है किसी प्रकार के मूल्यों से समझौते आपको आपके विजन से विचलित कर देंगे। **माइक्रोसॉफ्ट का विजन "दुनिया भर में लोगों और व्यवसायों को उनकी पूरी क्षमता का एहसास कराने में मदद करना"** है।

अगर हम गूगल के विजन वक्तव्य की बात करें तो ''दुनिया की सूचनाओं को संगठित कर रहे है'' मतलब है कि वह आपके लिए दुनिया भर कि सभी सूचनाओं को एक जगह एकत्रित कर दे रहे है।

टाटा समूह का विजन वक्तव्य– ग्राहकों और आपूर्तिकर्ताओं के लिए सबसे विश्वसनीय वैश्विक नेटवर्क बनना, जो उत्पादों और सेवाओं के माध्यम से मूल्य प्रदान करता है। हमारे सभी हितधारकों के लिए एक जिम्मेदार मूल्य निर्माता बनना।

कारोबार के मिशन और विजन में अंतरः– मिशन और विजन के बीच मुख्य अंतर, मिशन कंपनी की चल रही कार्रवाई है, जबकि विजन कंपनी के लिए भविष्य की योजना है। मिशन वांछित गंतव्य का रास्ता है।

आचार सम्मत कारोबारः– एक सामाजिक दायित्व

एक साधारण भाषा में कहा जाए तो कारोबार में मूल्य और अचार का अर्थ है कि लेनदेन को विनियमित करना। यहाँ पर लेनदेन का मतलब कारोबारी लेनदेन से है। यह आचार इसलिए बनाये गए है कि आम कारोबार को जोकि रोजाना की समस्याएं उत्पन्न होती है से बचा जा सके इसके अलावा जो कर्मचारी उस संगठन में काम करते है उन पर भी लागू होता है और उनके आचरण का प्रभाव भी उस संगठन के आचार को प्रभावित करता है आज हम उस कारोबारी दौर से गुजर रहे है जहां गलकाट प्रतिस्पर्धा है जोकि दुश्मनी को जन्म देती है। यह हमें कारोबार संचालन में भी दिखाई देती है।

बड़े व्यापारिक घराने अपने प्रभाव से छोटे व्यापारियों के व्यापार नगन्य कर देते है। वह उस पर अपना एकाधिकार स्थापित कर लेते है। अतः इन गंभीर परिस्थितियों में आवश्यक हो जाता है कि कुछ ऐसे नियम बनाये जाए जिससे कि इस तरह के गलत प्रभावों को रोका जा सके। कारोबारी आचार एक बृहद शब्द है जिसके उप विषय जोकि उस क्षेत्र से संबन्धित होते है उदाहरण के लिए मार्केटिंग के लिए मार्केटिंग नीति मानव संसाधन के लिए मानव संसाधन नीति इत्यादि।

व्यापारिक आचार की शुरुआतः– जब हम देखते है कि शुरुआत में लाभ सिर्फ कारोबार को सुचारू रूप से चलाने का साधन मात्र था। गैर आर्थिक मूल्यों का कोई विचार या ध्यान नहीं दिया जाता था चाहे वह लोगो के बारे में जो उसमे काम करते थे या उस समाज के बारे में जिसने उनके कारोबार को अपनी कीमत पर बढ़ने या पनपने दिया।

1980 और 1990 के दौर से हम देखते है कि शिक्षाविद और बुद्धिजीवी और कॉर्पोरेट ने इस विषय में सोचना शुरू किया। आजकल लगभग सभी संगठन समाज और प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी दिखाते है और वे इसे अलग–अलग नाम देते है कुछ इसे सामाजिक जिम्मेदारी कुछ सोशल कॉर्पोरेट जिम्मेदारी तो कुछ सोशल जिम्मेदारी चार्टर का नाम देते है। उदाहरण के लिए मारुति सुजुकी ने बहुत से पार्को के अनुरक्षण की जिम्मेदारी उठाई है और उनमें हरियाली बनाये रखते है हिंदुस्तान यूनिलिवर ने भी ई–शक्ति नामक अभियान शुरू किया। जोकि ग्रामीण औरतों की भलाई के लिए काम करती है। वैश्विक स्तर पर भी कोर्पोरेट क्षेत्र परोपकारी कार्यो को प्रदर्शित करते है।

कोई कम्पनी जिन तरीकों से अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन करती है। उनमे से प्रमुख है.– लोकोपकारी कार्य (philanyhrophy)

स्वंयसेवा को बढ़ावा देना (promoting volunteering), नैतिक श्रम प्रथा (Ethical labour practices), पर्यावरण संरक्षण (environmental changes) तर्क संगत मूल्य निर्धारित करना (rational pricing)।

सामाजिक जिम्मेदारीयों के प्रकारः– ऐच्छिक या विवेकाधीन, समाजिक, आर्थिक और कानूनी कारोबार।

कंपनी की जिम्मेदारी शेयर धारक, उपभोक्ता, कर्मचारी और सरकार के प्रति होती है। माइक्रोसॉफ्ट के बिल गेट्स और बेर्कशीर हाथेवे के वारेन बफफेट अपने वैश्विक कल्याणकारी कार्यों के लिए प्रसिद्ध है। आई.बी.एम. पर्यावरण संरक्षण की दिशा में योगदान दे रहा है।

ऐसा नहीं है कि व्यापार आचार के पहले कारोबार नहीं करते थे लेकिन अब सरकारे ऐसी नीति बनाती है कि कारोबारियों को ऐसा करना पड़ता है। आजकल कारोबार में सामाजिक जिम्मेदारी ने एक अहमियत हासिल कर ली है और इसे अनदेखा करना अब किसी कॉर्पोरेट के लिए लगभग असंभव है।

हालांकि आजकल एक तबका यह भी वकालत करता है, कि कॉर्पोरेट का काम अपने अंशधारकों के मुनाफे के लिए काम करना चाहिए, ना कि सामाजिक कार्यों के प्रति उत्तरदायित्व निभाना चाहिए। उसी तरह दूसरे पक्ष जोकि सामाजिक दायित्व निभाने की बात करता है का मानना है अंशधारकों की लाभप्रदता पर्यावरण संरक्षण और समाज के दूसरे वर्गों की खुशहाली की कीमत पर नहीं हो सकता है।

गाँधी प्रबंधन के सिद्धांतः–

अपरिग्रह एवं समभाव– गाँधी जी का मानना था कि यदि किसी व्यापारी के पास या प्रबंधन के पास संसाधन उपलब्ध है, वह सब समाज से ही ग्रहण गया है। अतः उनपर सबसे अधिक या पहला अधिकार समाज का ही है और प्रबंधक को उस संपत्ति का ट्रस्टी बनकर उसे प्रबंधन करना चाहिए और समाज के कल्याण के लिए ही कार्य करना चाहिए।

यंग इंडिया के 22 अक्टूबर 1925 के संस्करण में प्रकाशित लेख में गाँधी जी ने लिखा था कि समाज के सात महापाप है इनमें से एक है। नैतिकता के बिना व्यापार, व्यापार के लिए यह जरूरी है कि वह सदाचार पर आधारित हो। अन्यथा बेईमानी आधारित व्यापार भ्रष्टाचार की श्रेणी में माना जाएगा, जो एक प्रकार का सामाजिक पाप है। गांधी जी ने विश्व को व्यापार करते देखा था, व्यापार में अक्सर नैतिकता कुर्बान हो जाती है।

कारोबार में लाभप्रदता और मूल्य बोध–

कारोबार में लाभप्रदता– लाभप्रदता किसी संगठन के खर्चों के सापेक्ष उसके लाभ का माप है। जो संगठन अधिक कुशल हैं, उन्हें कम–कुशल संगठन की तुलना में अपने खर्चों के प्रतिशत के रूप में अधिक लाभ प्राप्त होगा, जिसे समान लाभ उत्पन्न करने के लिए अधिक खर्च करना होगा।

कारोबार में मूल्य बोध– यह वह विश्वास और सिद्धांतो का समूह होता है, जोकि कारोबार या कंपनी को दिशानिर्देशित करता है कि उसे कैसे संचालित किया जाए और उसके अंशधारकों एवं अन्य आवश्यक अंग जैसे कि उपभोक्ता और समाज और कर्मचारियों इत्यादि से किस तरह बर्ताव और व्यवहार किया जाए और ताकि उचित सामंजस्य बिठाया जा सके।

कारोबार में लाभप्रदता एक अहम पहलू है इस बात से न तो इंकार किया जा सकता है और न ही इसे हलके में लिया जा सकता है, लेकिन सवाल यह उठता है लाभप्रदता किस कीमत पर होनी चाहिए। इस लाभप्रदता के लिए क्या उन मूल्यों को अनदेखा करना उचित है जिनके बल पर यह कारोबार फल फूल रहा है अगर हम कहते है कि अंशधारकों के बल पर ही कारोबार चलता है तो हम गलत है क्योंकि कारोबार में सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से समाज और उपभोक्ताओं का स्थान प्रथम दृष्टया सबसे अधिक है, क्योंकि आप समाज से ही लाभ प्राप्त कर रहे है। तभी अंशधारक आप के कारोबार में रूचि ले रहे है जिस दिन समाज आप से दूर हो जाएगा, उस दिन अंशधारक भी स्वतः आप से दूर हो जाएंगे। इसलिए यह कारोबारी के लिए आवाश्यक हो जाता है कि वह उपभोक्ता एवं समाज के हितों को देखते हुए अपने लागत पर लाभप्रदता की एक सीमा रेखा खींचे, जिससे की लाभप्रदता और मूल्यों के बीच एक सामंजस्य बनाये रखा जा सके। इसलिए यह आवश्यक है कि कारोबार में सभी अंगों का सामंजस्य बना कर चला जाए चाहे, वह अंशधारक हो या उपभोक्ता हो या फिर समाज की जिम्मेदारी सबका उचित ख्याल रखा जाना चाहिए तभी कारोबार को ऊंचाइयों तक पहुँचाया जा सकता है।

अतः जिस प्रकार एक व्यक्ति समाज में मूल्यों और आचार के बल पर अपनी साख बनाकर अपना एक अस्तित्व सिद्ध करता और जीवन मर्यादित ढंग से जीता है ठीक उसी प्रकार कारोबार में भी एक कारोबारी अपने व्यापार को उच्च व्यवसायिक मूल्यों और सिद्धांतों के बल पर ही अपने कारोबार को उच्च स्थान दिला सकता है क्योंकि जिस कारोबार को आपने वर्षों की तपस्या से खड़ा किया होता है। एक लापरवाही की वजह से वह ताश के पत्तों की तरह ढह जाता है। हमने देश और विदेशों में कई व्यवसायों को बर्बाद होते देखा हैं। जो कि अपने मूल्यों और आदर्शों के बल पर देश में ही नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर कारोबार जगत में अपने साथ भारत को भी गौरन्वित किया है।

अधिकारी
प्र.का. आरटीटीएस कक्ष

दिसंबर 2023 को समाप्त तिमाही हेतु बैंक के वित्तीय परिणाम

राशि करोड़ में

मानक	तृतीय तिमाही, वित्तीय वर्ष 2022–23	तृतीय तिमाही, वित्तीय वर्ष 2023–24	वार्षिक विकास–दर
परिचालन लाभ	344	277	(19.48)
शुद्ध लाभ	373	114	(69.44)
परिसंपत्ति पर प्राप्ति (आरओए) (%)	1.11	0.31	(80) बीपीएस
लाभांश (आरओई) (%)	26.09	6.23	(1986) बीपीएस
अग्रिम–उपज (वाईओए) (%)	8.12	8.91	79 बीपीएस
लागत–आय अनुपात (%)	63.47	74.84	1137 बीपीएस
गैर–ब्याज आय (करोड़ में)	138	362	162.32
ऋण–जमा अनुपात	71.00	70.60	(40) बीपीएस
स्लिपेज अनुपात	0.36	0.30	(6) बीपीएस
सकल गैर निष्पादित आस्ति (%)	8.36	5.70	(266) बीपीएस
निवल गैर निष्पादित आस्ति (%)	2.02	1.80	(22) बीपीएस
कुल वसूली एवं उन्नयन	596	948	59.06
ऋण लागत (%)	(0.38)	(0.40)	(2) बीपीएस
एनआईएम (%)	3.12	2.54	(58) बीपीएस
कासा जमा	36460	38785	6.38
कुल जमा	109497	118355	8.09
कुल ऋण	77745	83559	7.48
कुल व्यापार	187242	201914	7.84

दिनांकित 31-12-2023 तक

राशि करोड़ में

आंचलिक कार्यालय	कुल जमा (थोक जमा के अलावा)			सकल अग्रिम			कासा जमा (अतिदेय सावधि जमा के अलावा)		
	मार्च 2023	दिसंबर 2023		मार्च 2023	दिसंबर 2023		मार्च 2023	दिसंबर 2023	
		लक्ष्य	उपलब्धि		लक्ष्य	उपलब्धि		लक्ष्य	उपलब्धि
अमृतसर	5367	5667	5818	1946	2260	2030	2373	2490	2639
बरेली	1884	2025	2081	2080	2335	2271	1244	1325	1427
भटिंडा	1809	1981	2062	1545	1776	1605	880	943	1047
भोपाल	2346	2583	2333	1340	1546	1409	919	1018	990
चंडीगढ़	6686	7749	6955	2370	2741	2470	2863	3655	2944
चेन्नई	820	918	781	2889	3159	3591	311	335	306
देहरादून	2808	3173	2976	1266	1493	1369	1436	1586	1504
दिल्ली–I (सीबीबी के अलावा)	5434	5955	5681	2605	3011	2136	2040	2229	2215
सीबीबी दिल्ली	390	398	301	10164	10690	12369	163	167	89
दिल्ली–II	7318	7806	7535	1656	2037	1753	2794	3011	2828
फरीदकोट	3202	3474	3628	1754	1986	1915	1503	1641	1811
गांधीनगर	543	625	558	1122	1299	1153	186	213	207
गुरदासपुर	3524	3840	3927	1428	1618	1567	1638	1786	1869
गुरुग्राम	2276	2552	2366	1498	1783	1542	1075	1205	1119
गुवाहाटी	1479	1791	1428	407	490	467	888	1075	790
होशियारपुर	3512	3980	3776	969	1117	1012	1502	1781	1632
जयपुर	1781	2011	1860	2132	2488	2094	775	863	840
जालंधर	6156	6680	6524	1373	1602	1397	2503	2686	2679
कोलकाता	3433	3963	3614	3568	3975	4428	1443	1693	1511
लखनऊ	3924	4243	3896	2559	3148	2700	1872	2007	1866
लुधियाना	4279	4987	4491	2175	2455	2271	1915	2251	2105
मुंबई (सीबीबी के अलावा)	1973	2328	2003	1319	1383	1243	679	798	711
सीबीबी मुंबई	406	479	223	14019	14699	12959	298	356	169
नोएडा	3133	3484	3282	1215	1449	1296	1622	1747	1634
पंचकूला	3149	3580	3457	2165	2469	2113	1429	1615	1638
पटियाला	3667	4047	4056	2331	2589	2385	1432	1620	1640
विजयवाड़ा	1383	1685	1423	8898	9180	8241	549	697	572
कुल आंकड़े	**82682**	**92005**	**87040**	**80982**	**88695**	**83559**	**36444**	**40790**	**38785**

अंचल कार्यालयों का कार्य प्रदर्शन

राशि करोड़ में

आंचलिक कार्यालय	खुदरा ऋण			कृषि ऋण			सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम ऋण			गैर निष्पादित आस्तियाँ		
	मार्च 2023	दिसंबर 2023		मार्च 2023	दिसंबर 2023		मार्च 2023	दिसंबर 2023		मार्च 2023	दिसंबर 2023	
		लक्ष्य	उपलब्धि		लक्ष्य	उपलब्धि		लक्ष्य	उपलब्धि		लक्ष्य	उपलब्धि
अमृतसर	633	792	698	932	994	947	377	408	383	156	147	169
बरेली	312	389	333	1234	1331	1348	483	542	580	216	198	239
भटिंडा	318	402	349	1015	1085	999	209	231	244	64	61	62
भोपाल	397	493	415	191	202	191	725	803	782	90	85	91
चंडीगढ़	1069	1322	1167	456	487	458	692	760	697	160	151	156
चेन्नई	602	747	637	28	28	21	489	535	509	124	117	107
देहरादून	460	581	486	412	447	423	391	430	413	85	78	96
दिल्ली–I (सीबीबी के अलावा)	867	1073	961	33	45	91	887	985	1020	132	130	166
सीबीबी दिल्ली	55	63	37	12	12	17	332	341	320	53	44	11
दिल्ली–II	834	1027	905	75	83	86	638	702	661	57	53	62
फरीदकोट	318	401	362	1171	1261	1263	252	275	278	98	90	93
गांधीनगर	221	277	241	131	139	111	318	352	347	48	45	73
गुरदासपुर	353	445	391	698	744	759	332	369	373	151	136	150
गुरुग्राम	752	925	780	207	217	205	535	575	548	96	90	98
गुवाहाटी	197	244	223	21	23	21	185	199	220	21	20	22
होशियारपुर	232	289	263	564	597	572	168	182	172	65	58	66
जयपुर	622	778	659	847	898	778	662	719	652	112	103	150
जालंधर	473	589	526	370	386	354	442	479	425	94	86	100
कोलकाता	741	910	783	139	151	163	1007	1115	1098	306	283	334
लखनऊ	835	1019	854	280	301	277	1045	1154	1173	203	183	246
लुधियाना	451	563	485	639	673	634	677	743	728	186	171	199
मुंबई (सीबीबी के अलावा)	600	713	631	45	40	41	433	441	396	162	155	90
सीबीबी मुंबई	3	4	3	123	134	82	501	561	391	0.01	0.01	0.13
नोएडा	652	811	722	173	185	183	320	351	362	82	75	85
पंचकूला	583	727	621	823	875	791	488	531	428	138	129	150
पटियाला	477	603	551	1111	1178	1101	354	393	406	105	100	100
विजयवाड़ा	598	745	621	59	66	63	457	492	445	53	48	75
कुल आंकड़े	**13947**	**17451**	**15305**	**11788**	**12582**	**11979**	**14857**	**16252**	**15716**	**5648**	**5476**	**4759**

DESTINATION TRAINING

Tannu Duggal

Have you ever heard of destination training. Yah! you got it right. Recently I got opportunity to attend the leadership development programme by BIRD (Lucknow) at GOA. The training programme was designed in such a way to survive in today's volatile, uncertain, complex and ambiguous environment. The programme was sketched with the proliferation of collaborative problem solving platforms and digital adhocracies that mainly emphasizes on individual initiative, consequential designs that align with corporate strategy and culture to be equipped with relevant technical, relational and communication skills. The four day programme from 3 oct to 6 oct 2023 headed by DGM BIRD Lucknow was a perfect blend of professional and personal learnings. The venue of the training programme was at Hotel Colonia Santa Maria Bardez near Calangute Goa. The hotel is located at the beach with an entry to beach from hotel itself. The programme consists of 20 people from all financial institutions like Nabard, Sidbi, Sbi, pnb etc. Day 1 of the programme emphasizes on the wide range of skills including design thinking leadership, effective learner engagement and course assessment. Main objective of day 1 programme was to insist how visionary leadership gains in long term. After the session we were able to relax on the beach. The waves moving up and down gave us pleasure and peace of mind. Day 2 was a mental peace session, basically a soft skill training session. It accentuate how emotional intelligence, adaptability, creativity, influence communication and team work rules out to have a win - win situation in every professional and personal front . The session was followed by cultural night, events and programmes that boosts up our power skills keeping aside professional tension. The live music was followed by a DJ set into the night. Day 3 was on compliance training that are mandated

by laws, agencies or policies which include topics on sexual harassment and cyber security. Safety training that encompasses on employee safety, workplace safety, customer safety, digital and information safety. After the serious session it was followed by fun based activities on beach like kabaddi Kho- Kho etc along with situational games based on team work. The day was wind up with enjoying coconut water on the beach. At night we had our dinner by enjoying Singer night. Day 4, the final day of the training programme was on management and development which stresses on accountability, collaborative communication, engagement, listening and assessing learning events. Special assignments was in corporated in order to develop the knowledge and skills that are required to lead. After the final session there were special arrangements for water games boating, Jet skiing etc. The training was over with the dance party at the beach.

This programme was not just a development training programme but it has rejuvenated the professional as well as personal front. I would like to Thank our esteemed bank for providing me the opportunity to be party of the programme. It has facilitated a metamorphosis of the everyday into the eclectic and exquisite experience

Manager
Branch Sandhour, Patiala

Hon'ble Governor of Punjab and Administrator of UT Chandigarh Shri Banwari Lal Purohit, Municipal Corporation Commissioner Smt. Anindita Mitra (IAS), Field General Manager Shri Chaman Lal Sheinmar handed over the cheque of ₹ 40 lakh for accidental death claim to the nominee of deceased employee of Municipal Corporation Chandigarh.

LIVE IN PEACE....AND NOT IN PIECES

Aanchal Kharbanda

At different stages of life, we adopt different identities and approach life accordingly. Just as a child is taught that he is a boy, A brave boy, And boys don't cry, Boys are strong etc,. it is the first time that the child considers himself 'a gender' rather than considering himself 'a being', And then this consideration changes into being a son, a brother, a graduate, an adult, a professional, a husband, a father, and so on.

But as we adopt different identities, we lose touch of 'the being', of 'who am I' who is adopting and changing the layers of identities so often. With every identity, my approach towards the world changes, when I am a boy, I compete for becoming a better boy, I nurture my boyish-ness to feel good about myself and I feel entitled to judge and select a better girl to be with. When I am an 'age', I feel the number of years for which I have lived should get me more respect and I take up the authority to direct those lesser in age, who might be wiser otherwise, to follow what I have to share. But if we're aware enough we will realize that none of these identities can contain all that I want to experience in life. There is always a thirst for 'something more', That one missing piece that will complete the jigsaw of various identities I am living with and am still feeling incomplete. In the process of this search we keep adding more identities to the list.

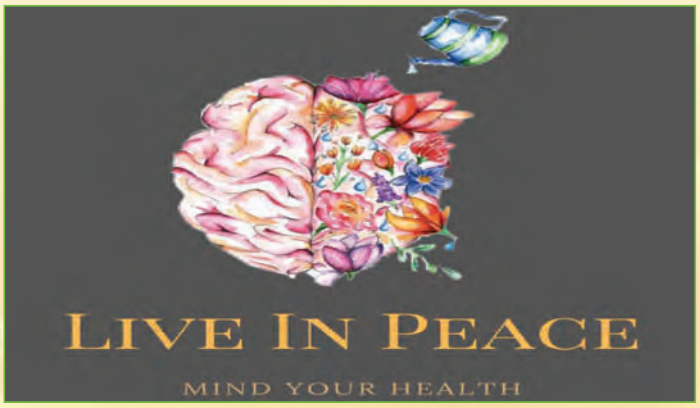

And with every identity we face different conflicts. That's because what I consider myself to be, the world should consider me to be the same. But the irony is, every being in the world is carrying his own set of identities and we expect each other to complement our considerations. And here comes the search of compatible counterparts, the ones whose set of identities and perceptions complement mine. Even then, I might have a difference of opinion and one will always try to make others think their way, because only then we will be on the same page.

All this effort to settle things 'our way' consumes so much energy that we are always waiting that once life is settled, we will be at peace as all reasons for the conflict will be resolved. Life will be my way, because my way is the right way, at least in my little world. But living with this effort, we slowly come to believe that Living in Peace seems improbable, and we can only Rest in Peace.

Being Peace-Full

At the eye of the storm of all conflict, lies an un-anchored identity crisis, we lack one firm ground of realization of who I really am and what is my true personality... what are my resources, my powers, my virtues, my original state and sense of being, beyond all roles I play, beyond all that I have achieved, beyond all that I perceive myself to be and all what anyone perceives of me...

"I" am an eternal being, a pure energy who is in charge of my inner world, the director of my mind. When I step out of the identity crisis, I realize that Peace is my original nature.

When I perceive myself to be anything apart from my true identity, I get caught up in the storm of turbulent emotions and make a continuous effort to Make Peace with each other's emotional upsurge.

But once we step out of this identity crisis, *we realize ourselves to be the masters of our minds,* we realize that every interaction in this world is a fair play of energy exchange and that beyond

all the emotional turmoil, there is a state of stillness from where we can see that everything and everyone is ALREADY perfect for this moment. Any change can be brought about only AFTER this acceptance.

In this stillness, I feel empowered, enabled to look through people and interactions and see them just like who I am, the masters, the kings of their lives, and I respect them for who they actually are. With this view I can now empower them to bring about the required change in their attitude or work.

Enriched by this experience of stillness, when I step back into my role, my responsibilities, I experience myself as a liberated being-free from the bondages of expectations and emotions. Then I am at peace with all the differences, knowing that things are perfect as they are and I give in the best of my potential to fulfill what is required by the scene with utmost sensitivity care love responsibility and strength as I am left with nothing un-resolved within me that is eating up my energy.

Such a liberated experience of Life is a Life of Peace, as there is nothing to tire up my mind and force me to wait until I Rest in Peace.

Manager
HO Inspection Dept.

बैंक के कॉर्पोरेट कार्यालय में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन

श्री स्वरूप कुमार साहा (एमडी एवं सीईओ) तथा बैंक के अन्य उच्चाधिकारीगण शपथ ग्रहण करते हुए एवं बैंक के कार्मिक रैली में सहभागिता करते हुए।

श्री पी.डेनियल, सचिव (केंद्रीय सतर्कता आयोग) एवं श्री स्वरूप कुमार साहा (एमडी एवं सीईओ), श्री रवि मेहरा (कार्यकारी निदेशक) तथा श्री अरूण कुमार अग्रवाल (मुख्य सतर्कता अधिकारी) द्वारा पीएसबी सतर्कता मैनुअल का विमोचन किया गया।

बैंक के कार्मिक वॉकथॉन में सहभागिता करते हुए।

भ्रष्टाचार से मना करें राष्ट्र के लिए समर्पित रहें

विकास चौहान

भ्रष्टाचार, भारत के विकास के माध्यमों में एक अग्रणी समस्या है। यह न केवल सामाजिक और आर्थिक स्तर पर दुखद प्रभाव डालता है, बल्कि यह देश के विकास को भी रोक देता है। हम सभी को इस समस्या से निपटने की जरूरत है जिसके लिए और हमें देश के विकास के लिए समर्पित रहना होगा। आज के समय में भ्रष्टाचार की समस्या देश में एक महामारी का रूप ले चुकी है। देश के किसी भी संस्थान में अगर जाएं तो अधिकतर लोग भ्रष्टाचार में लिप्त ही मिलेंगे।

निजी क्षेत्र हो चाहे सरकारी, कोई चपरासी हो या नेता कोई भी ईमानदारी के साथ कार्य नहीं करता है। भ्रष्टाचार की समस्या देश को दीमक की तरह खोखला करने मे लगी हुई है, जो देश के विकास में सबसे बड़ी बाधा है।

अगर भारत को विकासशील देश से पूर्णतया विकसित देश बनाना है तो उसके लिए एक "भ्रष्टाचार मुक्त भारत" का निर्माण अति आवश्यक है।

भ्रष्टाचार का अर्थः– भ्रष्टाचार का शाब्दिक अर्थ होता है "दुराचार" या "दुर्भाग्यपूर्ण कार्य"। यह एक समाज में न्याय के आदर्शों का उल्लंघन करता है जब कोई व्यक्ति या संगठन अपने वित्तीय लाभ के लिए नियमों और कानूनों का उल्लंघन करता है। भ्रष्टाचार एक समाज के विकास को रोक देता है, क्योंकि यह सामाजिक न्याय और शांति के मूल तत्वों को हमारी व्यवस्थाओं से हटा देता है।

भ्रष्टाचार से मुकाबले में सभी नागरिकों का सहयोग एक महत्वपूर्ण कदम है जो एक सशक्त और समृद्ध राष्ट्र की दिशा में महत्वपूर्ण होता है। भ्रष्टाचार न केवल सरकारी प्रणालियों को कमजोर करता है, बल्कि यह समाज की सामाजिक संरचना में भी दरारें डालता है। इस लेख में, हम जानेंगे कि भ्रष्टाचार क्या है, इसके प्रकार, इसके प्रभाव, और इससे बचाव के लिए कौन–कौन से कदम उठाए जा सकते हैं।

वर्तमान भारत में भ्रष्टाचार की समस्या विभिन्न स्तरों पर फैली हुई है। भ्रष्टाचार दीमक बनकर अंदर ही अंदर हमारे भारत देश को खोखला करता जा रहा है। मेहनती लोगों की कमाई भ्रष्ट लोगों के हाथों में जा रही है।

हालांकि सब जगह ऐसा नहीं होता, देश में ईमानदारों की भी कमी नहीं है। किंतु अधिकतर हर जगह भ्रष्टाचार ही देखने को मिलता है। भ्रष्टाचार भारत देश में हर क्षेत्र में व्याप्त है जिसे दूर किए बिना विकसित भारत का निर्माण असंभव है।

भ्रष्टाचार एक सामाजिक शत्रुः– भ्रष्टाचार एक सामाजिक और आर्थिक समस्या है जिसने देशों के विकास को प्रभावित किया है। यह एक ऐसा कछुआ है जो समृद्धि की दिशा में हमें बहुतांत्र में ले जा रहा है। भ्रष्टाचार का मतलब होता है अधिकारियों या सार्वजनिक सेवा प्रदाताओं द्वारा अनैतिक रूप से धन कमाना या विशेष लाभ प्राप्त करना।

विकसित राष्ट्र हेतु भ्रष्टाचार मुक्त भारत की आवश्यकता क्यों? भारत जैसे देश को एक विकसित राष्ट्र बनाने हेतु सबसे प्रथम आवश्यकता भारत को भ्रष्टाचार मुक्त बनाना है। हालांकि यह कार्य बेहद ही मुश्किलों से भरा है और नामुमकिन सा लगता है। किंतु इसकी नितांत आवश्यकता है। आज देश में ऐसी स्थिति बनी हुई है कि

अपराधी कानून को दरकिनार कर देते हैं और उन्हें पकड़ने वालों के हाथ कानून से बंधे रह जाते हैं।

जब तक उनके ऊपरी अधिकारी उन्हें निर्देश नहीं देंगे वो चाह कर भी कुछ नहीं कर सकते। ऐसी स्थिति में कहीं ना कहीं भ्रष्टाचार ही जिम्मेदार होता है। देश में लालफीताशाही, नौकरशाही, जवाबदेही की कमी और अकुशल नेतृत्व सभी भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाले कुछ प्रमुख कारण हैं। आज काबिलियत अमीरी से हार जाती है और जो काबिल नहीं है उसको एक अच्छे पद का कार्यभार सौंप दिया जाता है। ऐसी स्थिति में भारत देश विकसित कभी नहीं बन सकता। अतः भारत को विकसित बनाने हेतु उसे भ्रष्टाचार से मुक्त कराना ही होगा।

भ्रष्टाचार के प्रकारः– भ्रष्टाचार कई प्रकार का हो सकता है, जैसे कि वित्तीय भ्रष्टाचार, नौकरी के दौरान भ्रष्टाचार, न्यायिक भ्रष्टाचार और सामाजिक भ्रष्टाचार। वित्तीय भ्रष्टाचार में, लोग पैसे के माध्यम से भ्रष्टाचार करते हैं, जैसे कि घूस लेना या ब्लैक मनी का उपयोग करना। नौकरी के दौरान भ्रष्टाचार में, अधिकारी अपने अधिकारों का दुरुपयोग करते हैं। न्यायिक भ्रष्टाचार में, कई बार कानूनी प्रक्रिया को गलत तरीके से प्रभावित किया जाता है। सामाजिक भ्रष्टाचार में, लोग अपनी सामाजिक स्थिति का दुरुपयोग करके न्याय के प्रति अन्यायपूर्ण आचरण करते हैं।

1. **रिश्वतः** इसमें धन, सामाजिक स्थान, या सुविधाएं प्राप्त करने के लिए रिश्वत या किसी को दी जाने वाली धनराशि शामिल होती है।
2. **भाई–भतीजावादः** इसमें रिश्तेदारों और अपने जानपहचान के लोगों को अनुकरण करने का तंत्र शामिल है, जिससे उच्च पदों का अनुकरण होता है।
3. **कारगरता और अनुष्ठान भंगः** कारगरता में अधिकारी अपनी जिम्मेदारी को ठीक ढंग से नहीं निभाते और अनुष्ठान भंग में कानूनी तंत्रों का उल्लंघन होता है।
4. **कालाबाजारीः** इसमें धन, वस्त्र, या अन्य सुविधाएं दी जाती हैं और इसमें लालच और अव्यवस्था शामिल हैं।

भ्रष्टाचार का प्रभावः– भ्रष्टाचार का सीधा और परिणामस्वरूप प्रभाव होता है। पहले तो, यह सामाजिक न्याय को प्रभावित करता है। यह लोगों को आपसी भ्रमण से अलग करता है, जिससे सामाजिक विभाजन बढ़ता है। दूसरे, यह विकास को रोकता है। जब भ्रष्टाचार होता है, तो सरकारी धन का विपरीत प्रयोग होता है, जिससे जनसंख्या के लिए महत्वपूर्ण सेवाओं की प्रदाता में कमी होती है।

भ्रष्टाचार का विकास पर प्रभावः–

भ्रष्टाचार का विकास पर बहुत बड़ा प्रभाव होता है। यह समस्या देश के विकास को ठेस पहुँचाती है और देश के अर्थतंत्र को कमजोर करती है। इसके कुछ मुख्य प्रभाव हैं:

1. **अर्थव्यवस्था पर प्रभावः** भ्रष्टाचार वित्तीय संकट की ओर बढ़ाता है क्योंकि यह सरकारी धन का विपरीत प्रयोग करके अस्तित्व को कमजोर करता है। यह निवेशकों को डराता है और विनिवेश को नुकसान पहुँचाता है।
2. **सामाजिक न्याय पर प्रभावः** भ्रष्टाचार बड़े धार्मिक और सामाजिक न्याय के खिलाफ होता है। यह अधिकारी और आम लोगों के बीच विभाजन बढ़ाता है और सामाजिक असमानता बढ़ाता है।
3. **शिक्षा पर प्रभावः** भ्रष्टाचार शिक्षा प्रणाली पर भी प्रभाव डालता है। यह शिक्षा की सेवाओं को प्रभावित करता है और अधिक लोगों को अच्छी शिक्षा की आवश्यकता से वंचित करता है।
4. **आपसी विश्वास पर प्रभावः** भ्रष्टाचार से आपसी विश्वास घटता है और समाज में असमर्थता की भावना बढ़ती है। यह लोगों के बीच सहयोग और समरसता की भावना को कमजोर करता है।
5. **सामाजिक असमानताः** भ्रष्टाचार सामाजिक असमानता बढ़ता है। क्योंकि यह धनवान व्यक्तियों को ही लाभ पहुंचता है।
6. **विकास में रूकावटः** भ्रष्टाचार के कारण विकास की गति में रोकावट आती है, क्योंकि सामाजिक और आर्थिक संरचना में दुर्बलता उत्पन्न होती है।
7. **व्यापक असंतुष्टिः** भ्रष्टाचार से जुड़े होने वाले लोगों के बीच व्यापक असंतुष्टि बढ़ती है।

भ्रष्टाचार का नियंत्रणः–

भ्रष्टाचार को नियंत्रित करने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। यहां कुछ प्रमुख कदम हैं:

1. सरकारी कामकाज में ज्यादा पारदर्शिता के लिए सत्ता में सामान्य जनता की भागीदारी सुनिश्चित करना चाहिए।
2. जनता को भ्रष्टाचार को रोकने के तरीकों के बारे में जागरूक करने के लिए संगोष्ठियों, अभियानों, नाटकों का आयोजन करना चाहिए।
3. पत्रकारों की सुरक्षा और स्वतंत्र मीडिया का समर्थन करना चाहिए।
4. भ्रष्टाचार के खिलाफ उठे लोगों को समर्थन देना और विभिन्न विभागों में पारदर्शिता की मांग करनी चाहिए।
5. सोशल मीडिया का सही तरीके से उपयोग करके भ्रष्टाचार की जानकारी प्रसारित करनी चाहिए।
6. लोकपाल को सरकारी कर्मचारियों के साथ–साथ अन्य सार्वजनिक व्यक्तियों और संगठनों के लिए बनाया जाना चाहिए।
7. सभी नेताओं और सार्वजनिक सेवकों को अपनी कमाई की जानकारी सरकार को देने संबंधी कानून बनाया जाना चाहिए।
8. राजनीतिक दलों को सूचना के अधिकार के तहत खातों को प्रकट करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए।
9. सुरक्षा–बजट में पारदर्शिता को महत्ता देनी चाहिए ताकि सेना के उपकरणों के लिए सही निर्णय लिए जा सकें।
10. न्यायिक सुधार और मानवाधिकार आयोग की महत्वपूर्ण भूमिका को भ्रष्टाचार के खिलाफ मुकाबले में सहायक बनाया जा सकता है।
11. डिजिटलाइजेशन के माध्यम से तहसीलों में हो रहे भ्रष्टाचार को कम किया जा सकता है।
12. पेट्रोलियम सब्सिडी को सीधे किसानों के खातों में देने से उनको अधिक लाभ हो सकता है।
13. भ्रष्टाचार के खिलाफ सही समर्थन और जागरूकता के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रहना चाहिए।
14. सशक्तिकरण लोगों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। सशक्त नागरिक भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ सकते हैं और सरकार को जवाब दे सकते हैं।
15. देश मे सख्त कानून और सजा की आवश्यकता है ताकि भ्रष्टाचार करने वालों को डर लगे।
16. सरकारों को भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए। सरकारें भ्रष्ट अधिकारियों को सजा देने के लिए तत्पर होनी चाहिए और सुरक्षा प्राधिकृतियों को उनके कार्यों की निगरानी करने की आवश्यकता है।
17. लोगों को सरकारी प्रक्रियाओं में भागीदार बनाना चाहिए। जन शासन के माध्यम से, लोग सरकारी निर्णयों में सहयोग कर सकते हैं और भ्रष्टाचार को रोक सकते हैं।
18. शिक्षा भ्रष्टाचार के खिलाफ एक महत्वपूर्ण हथियार हो सकती है। लोगों को जागरूक करना चाहिए कि भ्रष्टाचार के क्या प्रकार हो सकते हैं और वे इसके खिलाफ कैसे लड़ सकते हैं।

हमें यह याद रखना चाहिए कि भ्रष्टाचार से निपटना हम सभी की जिम्मेदारी है। यह न केवल सरकार का काम है, बल्कि हर नागरिक का भी दायित्व है। भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने के लिए हमें सामाजिक जागरूकता बढ़ानी चाहिए और सशक्त नागरिकों की तरह कार्रवाई करनी चाहिए। यह हमारे देश के विकास के लिए आवश्यक है और हमें समर्पित रहना होगा।

हमारी परंपरा और सांस्कृतिक विरासत हमें मूल्य–बोध का संचार करती हैं। सही–गलत की यह समझ समाज के नियामक कानूनी रूप में परिणामित होती है। चोरी को अपराध मानकर इस भावना को पहले ही समाज में अंतर्निहित करना आवश्यक है, जिससे कानून भी प्रभावी हो सके। हमें यह समझना है कि कानूनी कदमों के बिना, ईमानदारी और नैतिकता के मूल्यों को जीवन में स्थापित करना हमें भ्रष्टाचार से निरोधित करने में सहायक नहीं हो सकता।

भ्रष्टाचार देश के विकास को रोकता है और समाज को असमानता की दिशा में ले जाता है। हमें सभी को इस समस्या के खिलाफ लड़ने और देश के विकास के लिए समर्पित रहने की आवश्यकता है। यह हमारे सामाजिक और आर्थिक उन्नति के लिए महत्वपूर्ण है और हमारे देश की सशक्ति को बढ़ावा देगा।

वरिष्ठ प्रबंधक
अंचल कार्यालय, गुरूग्राम

अंचल कार्यालयों में सतर्कता जागरूकता सप्ताह

आंचलिक कार्यालय अमृतसर

आंचलिक कार्यालय गुरूग्राम

आंचलिक कार्यालय पटियाला

के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियां

आंचलिक कार्यालय जयपुर

आंचलिक कार्यालय नोएडा

आंचलिक कार्यालय कोलकाता

आंचलिक कार्यालय गुरदासपुर

आंचलिक कार्यालय देहरादून

IMPORTANT CIRCULARS ISSUED BY DIFFERENT DEPARTMENT

Dated	Circular no.	Subject
ACCOUNTS AND AUDIT DEPARTMENT		
5/10/2023	509/2023-24	Incorrect usage of internal accounts
8/11/2023	603/2023-24	Amendment in rule 114b, rule 114ba, rule 114bb and form 60
9/11/2023	629/2023-24	Amendment in gst provisions
21/11/2023	642/2023-24	Incorrect usage of internal accounts
26/12/2023	723/2023-24	Advisory regarding dealing with the statutory branch auditors
27/12/2023	728/2023-24	Master circular on quarterly review – december- 2023
HO FOREIGN EXCHANGE DEPARTMENT		
31/10/2023	572/2023-24	Notional rates of foreign currencies w.E.F 01.11.2023
6/11/2023	597/2023-24	Empanelment of m/s rubix data science pvt ltd as business information report provider
29/12/2023	730/2023-24	Notional rates of foreign currencies w.E.F 01.01.2024
HO KYC & AML CELL		
5/10/2023	507/2023-24	Reserve bank of india imposes monetary penalty on indian bank
5/10/2023	511/2023-24	Compliance of kyc guidelines
20/10/2023	564/2023-24	Amendment to the master direction (md) on kyc
HO FRAUD MONITORING DEPARTMENT		
7/10/2023	521/2023-24	Cases of frauds/attempted frauds/third party entities involved in frauds (sharing of information)
1/11/2023	576/2023-24	Cases of frauds/attempted frauds/third party entities involved in frauds (sharing of information)
16/11/2023	623/2023-24	Attempted fraud in vehicle loan
16/11/2023	624/2023-24	Advisory on cyber frauds
5/12/2023	671/2023-24	Attempted fraud in an overdraft against property limit
HO GENERAL ADMINISTRATION DEPARTMENT		
11/10/2023	530/2023-24	Change of address of guna (g0314), mangaluru (m0481) and krishna nagar, delhi (d0338) branch.
HO HUMAN RESOURCES DEVELOPMENT DEPARTMENT		
19/10/2023	551/2023-24	Engagement/ appointment of chief executive officer (ceo) in national pension system (nps trust) on contract/deputation basis)
26/10/2023	566/2023-24	Revision in the rate of reimbursement of expenses towards transport of personal effects of an officer on transfer from one place to another – reg.42(2) Of officers' service regulations
31/10/2023	571/2023-24	enhancement of limit of interest free festival advance to staff members
31/10/2023	574/2023-24	payment of bonus for the period 01.04.2022 To 31.03.2023
1/11/2023	578/2023-24	Dearness allowance for the months of nov, dec 2023 and jan 2024
1/11/2023	585/2023-24	Appointment to the post of additional chief vigilance officers (addl. Cvos) in state bank of india
4/11/2023	591/2023-24	Promotion process 2024-25
4/11/2023	592/2023-24	Promotion process 2024-25 - clerical cadre to officers cadre in jmgs-i
10/11/2023	611/2023-24	Promotion process 2024-25: clerical to jmgs-i (officer), jmgs-i (officer) to mmgs-ii (manager), mmgs-ii (manager) to mmgs-iii (senior manager) in general & specialist cadre
13/11/2023	615/2023-24	Re-constitution of internal advisory committee (i.A.C.)
30/11/2023	656/2023-24	date of online written examination for the promotion process 2024-25
2/12/2023	665/2023-24	sexual harassment at workplace prevention week
4/12/2023	667/2023-24	Officers (jmgs-i & above) due for retirement during the second half of the year 2024 (01.07.2024 To 31.12.2024)
14/12/2023	710/2023-24	Ifc- in cases where both husband and wife are working in the same bank
16/12/2023	708/2023-24	bank's code of ethics
20/12/2023	706/2023-24	declaration of banking industry as a public utility service under the provisions of the industrial disputes act, 1947

OF HEAD OFFICE FROM 01/10/2023 TO 31/12/2023

Dated	Circular no.	Subject
20/12/2023	707/2023-24	education loans to the ward of staff members- regarding
20/12/2023	709/2023-24	punjab & sind bank officers' promotion policy
20/12/2023	711/2023-24	Tentative vacancies for promotion of officers from jmgs-i to mmgs-ii, mmgs-ii to mmgs-iii and clerk to jmgs-i for the promotion process 2024-25
HO LAW AND RECOVERY DEPARTMENT		
3/11/2023	588/2023-24	Clarification on framework for compromise settlements (ots)
3/11/2023	589/2023-24	Responsible lending conduct: release of movable/immovable property documents on repayment/ settlement of personal loan
10/11/2023	607/2023-24	Standard operating procedure for wilful defaulter proceedings in npa account
18/11/2023	694/2023-24	Psb rin mukti ii: special scheme for one time settlement of npa & two accounts with book outstanding upto ₹5.00 Crore
30/12/2023	734/2023-24	Standard operational procedure on insolvency & bankruptcy code, 2016 for corporate persons
HO INSPECTION DEPARTMENT		
6/10/2023	510/2023-24	Sop (operational procedure for monitoring and closure of omu alerts)
16/11/2023	626/2023-24	Standard operating procedure (sop) for dealing with irregularities related to zero tolerance areas
HO MARKETING & INSURANCE DEPARTMENT		
19/10/2023	552/2023-24	Observance of core fee income campaign "psb challenger cup"
6/11/2023	617/2023-24	Maximum average hits (mahi atm) campaign
13/12/2023	681/2023-24	Sgb scheme 2023-24 series iii & iv
HO PRIORITY SECTOR ADVANCES DEPARTMENT		
7/10/2023	522/2023-24	Addition of new schemes and renewal/reviewal of msme loans in loan originating system (los) psb lendperfect under agri module-psb fishery scheme, under msme module-psb professional assist scheme and psb doctor special scheme
13/10/2023	536/2023-24	Psb credit carnival – business mobilization campaign for ram segment products from 16.10.2023 To 30.11.2023
16/10/2023	542/2023-24	Deendayal antyodaya yojana - national urban livelihood mission (day-nulm) - extension of scheme
17/11/2023	630/2023-24	Account aggregator ecosystem and financial information user portal
8/12/2023	680/2023-24	Modification in rice sheller policy of the bank
15/12/2023	690/2023-24	Requirement of regulatory and statutory approvals while sanctioning loans
27/12/2023	726/2023-24	Multistoried godowns under ami sub-scheme of isam
27/12/2023	727/2023-24	Triangle and trapezium shaped godown under ami scheme -permission
HO PLANNING & DEVELOPMENT DEPARTMENT		
6/10/2023	506/2023-24	Opening of new branch - vatva (v1606) under zone gandhinagar
1/11/2023	580/2023-24	Opening of new branch - soima(s1613) and deoghar (d1614) under zone kolkata
6/11/2023	596/2023-24	Opening of new branch - bongaigaon (b1589) under zone guwahati
9/11/2023	604/2023-24	Opening of new branches - paramahansa (p1609) and bankati (b1610) under zone vijayawada
13/11/2023	614/2023-24	Opening of new branch - bawal (b1615) under zone gurugram
17/11/2023	628/2023-24	Rbi direction on non-callable deposit
HO RISK MANAGMENT DEPARTMENT		
3/10/2023	524/2023-24	Guidelines for internal credit rating
9/10/2023	525/2023-24	Quarterly mock phishing drill conducted by bank
13/10/2023	535/2023-24	Review of mclr, base rate & bplr in the bank to be effective from 16.10.2023
9/11/2023	606/2023-24	Limits and triggers for exposure
15/11/2023	620/2023-24	Review of mclr in the bank to be effective from 16.11.2023
15/12/2023	689/2023-24	Review of mclr in the bank to be effective from 16.12.2023

Zonal Office Noida Organised Branch Incharges Meeting in the presence of General Manager Shri Gopal Krishan.

Branch Incharges Review Meeting at Vijaywada Zonal Office in the presence of General Manager Shri Gajraj Devi Singh Thakur

RISK & DANGERS OF USING ARTIFICIAL INTELLIGENCE

Vivek Ranjan

Artificial Intelligence has been a game changer and a revolution in today's Technology World, but it has some drawbacks/loopholes that can be hazardous for us in day to day life. Artificial Intelligence (AI) has significant dangers , from job displacement to security and privacy concerns and encouraging awareness of issues helps us engage in conversations about AI's legal, ethical, and societal implications.

How can artificial intelligence be dangerous?

As Artificial Intelligence grows more sophisticated and widespread, the voices warning against the potential dangers of artificial intelligence grow louder.

"These things could get more intelligent than us and could decide to take over, and we need to worry now about how we prevent that happening," said Geoffrey Hinton, known as the "Godfather of AI" for his foundational work on machine learning and neural network algorithms. In 2023, Hinton left his position at Google so that he could "talk about the dangers of AI," noting a part of him even regrets his life's work.

Tesla and SpaceX founder Elon Musk, along with over 1,000 other tech leaders, urged in an open letter to put a pause on large AI experiments, citing that the technology can "pose profound risks to society and humanity."

Artificial Intelligence may have multiple Risk to the society. Few of them are being mentioned in below paragraphs:

1. Lack of Transparency

Lack of transparency in Artificial Intelligence(AI) systems, particularly in deep learning models that can be complex and difficult to interpret, is a pressing issue. This opaqueness makes it difficult in decision-making processes and underlying logic of these technologies.

When people can't comprehend how an AI system arrives at its conclusions, it can lead to distrust and resistance to adopting these technologies.

2. Biased algorithms

When we feed our algorithms data sets that contain biased data, the system will logically confirm our biases. When a system is fed discriminatory data, it will produce this type of data. Garbage in, garbage out. And because the output is from a computer, the answer will tend to be assumed to be true. (This is based on the so-called automation bias, which is the human tendency to take suggestions from "automated decision-making systems" more seriously and ignore contradictory data created by people, even if it is correct). And when discriminatory systems are fed new discriminatory data (because that is what the computer says) it turns into a self-fulfilling prophecy. And remember, biases are often a blind spot.

3. Liability for actions

A great deal is still unclear about the legal aspects of systems that become increasingly smart. What is the situation in terms of liability when the AI system makes an error? Do we judge this like we would judge a human? Who is responsible in a scenario in which systems become self-learning and autonomous to a greater extent? Can a company still be held accountable for an algorithm that has learned by itself and subsequently determines its own course, and which, based on massive amounts of data, has drawn its own conclusions in order to reach specific decisions? Do we accept an error margin of AI machines, even if this sometimes has fatal consequences?

4. Deepfakes

Deepfakes are videos or images that often feature people who have been digitally altered, whether it be their voice, face or body, so that they appear to be "saying" something else or are someone else entirely.(recently, we have seen many such cases of Celebrities in India)

Typically, deepfakes are used to purposefully spread false information or they may have a malicious intent behind their use. They can be designed to harass, intimidate, demean and undermine people. Deepfakes can also create misinformation and confusion about important issues.

Further, Deepfake technology can fuel other unethical actions like creating irrelevant revenge video, where women are disproportionately harmed.

What should someone do if they see a deepfake?

If you find a deepfake, immediately refrain from sharing it. You may think that you can share with friends as an example of what a deepfake looks like, but once you share something remember that it often takes on a life of its own.

Additionally, if you find yourself in a deepfake, immediately contact a lawyer with experience of media and related laws. Even if a photo or video is seemingly made for "fun," it is still illegal if it has been made without your knowledge or permission.

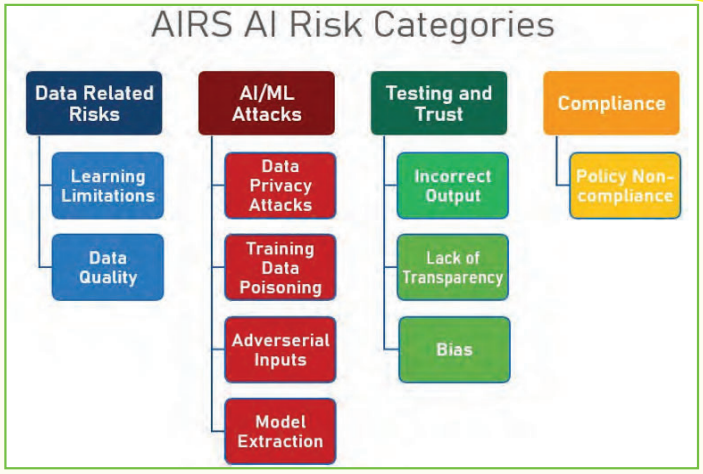

4. Weapons automatization

Elon Musk from Tesla warned the United Nations about autonomous weapons, controlled by artificial intelligence. Along with 115 other experts, he pointed to the potential threat of autonomous war equipment. This makes sense: it concerns powerful tools that could cause a great deal of damage. It is not just real military equipment that is dangerous: considering technology is becoming increasingly easy, inexpensive and user-friendly, it will

become available to everyone… including those who intend to do harm. In few thousand rupees, you can buy a high-quality drone with a camera. A whizz-kid could subsequently install software on it which will enable the drone to fly autonomously. Artificial intelligence facial recognition software is available as early as now, which enables the drone camera to recognise faces and track a specific person. And what if the system itself starts making decisions about life and death. Should we leave this to algorithms?

And it is only a matter of time before the first autonomous drone with facial recognition as well as a 3D-printed rifle, pistol or other gun becomes available.

5. Social manipulation

Social media through its autonomous-powered algorithms is very effective at target marketing. They know who we are, what we like and are incredibly good at surmising what we think. By spreading propaganda to individuals identified through algorithms and personal data, AI can

target them and spread whatever information they like, in whatever format they will find most convincing—fact or fiction.

6. Discrimination

Since machines can collect, track and analyse so much about you, it's very possible for those machines to use that information against you. It's not hard to imagine an insurance company telling you you're not insurable based on the number of times you were caught on camera talking on your phone. An employer might withhold a job offer based on your "social credit score."

7. Job Displacement

AI-driven automation has the potential to lead to job losses across various industries, particularly for low-skilled workers (although there is evidence that AI and other emerging technologies will create more jobs than it eliminates).

As AI technologies continue to develop and become more efficient, the workforce must adapt and acquire new skills to remain relevant in the changing landscape.

8. Loss of Human Connection

Increasing reliance on AI-driven communication and interactions could lead to diminished empathy, social skills, and human connections. To preserve the essence of our social nature, we must strive to maintain a balance between technology and human interaction.

Any powerful technology can be misused. Today, artificial intelligence is used for many good causes including to help us make better medical diagnoses, find new ways to cure

cancer and make our cars safer. Unfortunately, as our AI capabilities expand we will also see it being used for dangerous or malicious purposes. Since AI technology is advancing so rapidly, it is vital for us to start to debate the best ways for AI to develop positively while minimising its destructive potential.

Manager
HO IT Department

बैंक की शाखाओं के नवीन परिसर का उद्घाटन

शाखा चिकंबरपुर, नोएडा

शाखा इंदिरापुरम, लखनऊ

शाखा पठानकोट, गुरदासपुर

नागरिक के जीवन में सतर्कता की भूमिका

हितेश भाटिया

किसी भी राष्ट्र के उन्नत विकास हेतु उस राष्ट्र के नागरिकों का सतर्क और जागरूक होना अति आवश्यक होता है। भ्रष्टाचार के प्रति भारत के समस्त नागरिकों को सतर्क और जागरूक करने के लिए केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा हर वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया जाता है। सतर्कता जागरूकता सप्ताह हर साल उस सप्ताह में मनाया जाता है जिसमें सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्मदिन (यानी 31 अक्टूबर) आता है। सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाने का सीधा उद्देश्य भारत के नागरिकों को जागरूक करना है। भारत के नागरिकों को समाज और देश में व्याप्त भ्रष्टाचार के प्रभाव के प्रति जागरूक करना है। जिसके माध्यम से नागरिकों तथा देश का विकास हो सके। भ्रष्टाचार, मादक पदार्थ, आर्थिक अपराध, आतंकवादी वित्तपोषण यह सभी आपस में एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। ऐसे में भ्रष्टाचार के खिलाफ नागरिक और सरकार दोनों को मिलकर काम करना होगा। केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा इस उद्देश्य से ही, यह सप्ताह शुरू किया गया। ताकि नागरिक भ्रष्टाचार की पारदर्शिता को समझ सके और जवाबदेही के लिए जागरूक हो सके। किसी भी देश की उन्नति तभी हो सकती है, जब उस देश का हर नागरिक सतर्क होगा। सरकार के साथ ही हर देशवासी का यह कर्तव्य है कि वह अपने भारत देश को बुराइयों और बुरे लोगों से बचाए।

क्योंकि एक छोटी सी गलती और देश की बर्बादी! यदि हमें अपने देश को समृद्ध बनाना है, और अन्य देशों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना है तो हमें भ्रष्टाचार, आतंकवाद, प्रदूषण आदि से अपने देश को बचाना होगा। इन सभी समस्याओं का समाधान करना बहुत ही आवश्यक है।

वर्तमान भारत में भ्रष्टाचार की समस्या विभिन्न स्तरों पर फैली हुई है। भ्रष्टाचार दीमक बनता जा रहा है और हमारे देश को भीतर से खोखला कर रहा है। मेहनतकशों की कमाई भ्रष्ट लोगों के हाथ में जा रही है। एक गरीब परिवार का बच्चा कड़ी मेहनत करने के बाद भी कई अवसरों से वंचित रहता है क्योंकि कोई भ्रष्ट कर्मचारी रिश्वत लेकर अमीर को वह मौका देता है। भारत में हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार व्याप्त है, और इसे दूर किए बिना विकसित भारत का निर्माण असंभव है। भ्रष्टाचार एक ऐसी सामाजिक बुराई है जो किसी भी देश की प्रगति में बाधा डालती है। यह एक ऐसा कृत्य है जिसमें कोई व्यक्ति अपने पद या शक्ति का दुरुपयोग करके अवैध लाभ प्राप्त करता है। भ्रष्टाचार के कई रूप हैं, जिनमें घूसखोरी, अवैध निविदा, रिश्वतखोरी और मनी लॉन्ड्रिंग शामिल हैं। ये सभी रूप सरकारी संपत्ति के दुरुपयोग और जनता के हितों के नुकसान का कारण बनते हैं। भ्रष्टाचार के कई कारण हैं। इनमें गरीबी, बेरोजगारी, शिक्षा की कमी और कानून–व्यवस्था की कमजोर स्थिति शामिल हैं। भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने में राजनीतिक अस्थिरता और राजनीतिक नेतृत्व की कमी भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भ्रष्टाचार के कई दुष्परिणाम हैं। यह देश के आर्थिक विकास को बाधित करता है, सामाजिक न्याय को कमजोर करता है, और लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाता है। भ्रष्टाचार के कारण सरकारी संपत्ति का दुरुपयोग होता है, करों में वृद्धि होती है और निवेश में कमी आती है।

भ्रष्टाचार को रोकने के लिए कई उपाय किए जा सकते हैं। इनमें मजबूत कानूनों और विनियमों का निर्माण, पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देना और शिक्षा एवं जागरूकता बढ़ाना

शामिल है। सरकार को भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए और भ्रष्टाचार को रोकने के लिए एक प्रभावी नीति बनानी चाहिए।

भ्रष्टाचार को रोकने के लिए कुछ सुझावः–

सरकार को पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए कदम उठाने चाहिए। सरकार को अपने कार्यों के बारे में जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए और नागरिकों को अपने प्रतिनिधियों के कार्यों की निगरानी करने की अनुमति देनी चाहिए।

सरकार को भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। भ्रष्टाचारियों के लिए सख्त सजा का प्रावधान होना चाहिए ताकि उन्हें अपनी गतिविधियों को रोकने के लिए प्रेरित किया जा सके।

नागरिकों को भ्रष्टाचार के खिलाफ जागरूक होना चाहिए। नागरिकों को यह जानना चाहिए कि भ्रष्टाचार क्या है और इसके क्या दुष्परिणाम हैं। उन्हें भ्रष्टाचार के कृत्यों की रिपोर्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

व्यवसायियों को भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रतिबद्ध होना चाहिए। व्यवसायों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके कर्मचारी भ्रष्टाचार के कृत्यों में शामिल न हों। उन्हें भ्रष्टाचार विरोधी नीतियों और प्रथाओं को विकसित और लागू कर भारत को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए सबसे पहले रिश्वत लेना और देना बंद करना होगा। सभी कर्मचारियों एवं अधिकारियों की आय की जवाबदेही की जांच हो, सतर्कता बरतते हुए सभी स्थानों पर कर्मचारियों एवं अधिकारियों की भ्रष्टाचार विरोधी भर्ती सुनिश्चित की जानी चाहिए।

"विकसित राष्ट्र के निर्माण हेतु, हमें भारत को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए मिलकर काम करना होगा"

भ्रष्टाचार की रोकथाम के लिए भारत सरकार द्वारा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 अधिनियमित किया गया तथा केन्द्रिय सतर्कता आयोग की स्थापना की गई। सतर्कता जागरूकता सप्ताह की शुरुआत 1999 में ही हो गई थी। लेकिन इसे एक मिशन के रूप में चलाने का निर्णय निश्चित रूप से वर्ष 2006 में लिया गया था। जो मुख्य रूप से समाज के सभी वर्गों को भ्रष्टाचार मुक्त समाज में रहने के लिए आकर्षित करता है।

सतर्कता का अर्थ होता है, स्वयं को और अपने देश को ऐसी चीजों या लोगों से बचाकर रखना, जो हमें नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। इसके अलावा खुद की सफाई के साथ ही अपने विचारों को भी स्वच्छ रखना एक सतर्कता है। अपनी आने वाली पीढ़ी को गलत चीजों से बचाना, भ्रष्टाचार जैसी देश को खोखली करने वाली चीजों को खत्म करने में मदद करना, नारी शक्ति को बढ़ावा देना, देश के लोगों को देश की उन्नति के बारे में जागरूक करना, आदि सभी चीजें सतर्कता के अंदर आती हैं।

सतर्कता की आवश्कताः–

1 देश को सबसे ज्यादा खतरा आतंकवादियों से है, जो देश को तबाह व बर्बाद करने के लिए हर दिन एक नया षड्यंत्र रचते हैं। यदि सरकार ने आतंकवादियों को खत्म करने की कोई विशेष योजना नहीं बनाई तो यह हमारे देश को तबाह करने में ज्यादा समय नहीं लगाएंगे। सरकार को चाहिए कि वो आतंकवादियों के लिए कड़ा से कड़ा कानून बनाए और आम जनता को भी इसके लिए जागरूक व सतर्क करे।

2 हमारे भारत देश के लिए दूसरा जो सबसे बड़ा खतरा है, वह है भ्रष्टाचार। भ्रष्टाचार ही आतंकवाद और ड्रग्स जैसी बुराइयों को फैलाने में अहम भूमिका निभाता है। हमारे देश में भ्रष्टाचार को रोकना बेहद जरूरी है। भ्रष्टाचार को खत्म करके ही हमारा देश सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंच सकता है।

3 प्रदूषण भी हमारे देश की उन्नति में सबसे बड़ी बाधा है। यह न केवल हमारे भारत को बल्कि पूरी दुनिया को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है। वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, रेडियोधर्मी प्रदूषण आदि ऐसे प्रदूषण हैं, जो जीव जंतु और प्राणियों सभी के जीवन को संकट में डाल रहे हैं। इसकी सतर्कता भी भारत के नागरिक और सरकार दोनों का कर्तव्य है।

4 एक समृद्ध भारत बनाने के लिए हमारे देश के कानून को भी कड़ा और मजबूत होना पड़ेगा। ऐसा करने से जो भी अपराधी अपराध करके खुले आम घूमते हैं, उनकी हिम्मत नहीं होगी ऐसा करने की। ऐसे लोगों को कड़ी से कड़ी सजा देकर ही देश को सुधारा जा सकता है, और तभी हमारा देश एक समृद्ध भारत बनेगा।

5 हमारे देश के नागरिकों को अपने स्वार्थ के लिए कोई भी ऐसा काम या कोई भी ऐसा परीक्षण नहीं करना चाहिए, जो आम जनता को नुकसान पहुंचाए।

6 शिक्षा का पूरे देश में ज्यादा से ज्यादा प्रसार होना चाहिए। यदि व्यक्ति शिक्षित होगा तो वो कोई भी ऐसा काम नहीं करेगा, जो देश के लिए हानिकारक हो। एक शिक्षित व्यक्ति ही अपने देश को सफलता की ओर लेकर जाता है। इसलिए एक सतर्क और समृद्ध भारत बनाने के लिए शिक्षा सबसे आवश्यक चीज है।

7 एक देश तब तक सतर्क और समृद्ध नहीं होगा, जब तक कि उस देश की महिलाएँ पढ़ी लिखी नहीं होंगी। एक पढ़ी लिखी मां ही अपने बच्चों को शिक्षित कर सकती है, उन्हें जीवन का अच्छा पाठ पढ़ा सकती है। इसके अलावा शिक्षित नारी किसी भी तरह के खतरे या अत्याचार से लड़ती है। उनसे डरने की बजाए, उनका सामना करती है। एक पढ़ी–लिखी महिला खुद को बड़े संकट से बचाने में भी सतर्क रहती है।

8 भ्रष्टाचार ने भारत में अपनी जड़े जमा ली है। जिस कारण देश का विकास अवरूद्ध हो रहा है। आवश्यकता है अपने समाज एंव देशकाल में सतर्कता के साथ इसकी जड़ो को उखाड़ फेंकने की। इसको समाप्त किए बिना कोई व्यक्ति और उससे भी ऊपर कोई राष्ट्र विकास नहीं कर पाएगा।

वरिष्ठ प्रबंधक
प्र.का. सतर्कता विभाग

Corporate World

Jiwanjot Singh

Days spent in endless meetings,
Nights lost in reports and analysis,
The corporate life is a test of sheer hard work.
Hours of dedication and determination,
Days of unwavering focus and persistence,
The path to success is paved only through hard work.

For in the end, it is our hard work that defines us,
That sets us apart from the rest.
And as we rise to the top of the corporate ladder,
We know that every ounce of effort was worth it.

In the corporate world, success is key,
But only those who work hard will be free.
The hustle and bustle, the long hours we keep,
With diligence and perseverance, we'll reap.

Day after day, we push through the grind,
For we know that success is hard to find.
The pressure to perform, the targets we meet,
Rewards at the end, make the challenge sweet.

But it's not just about the money and fame,
It's about dedication, passion, and aim.
The rewards of hard work are not just satisfying,
But fulfilling, priceless and gratifying.

So let's keep pushing, let's never give in,
For it's the hard work and sweat that help us win.
In the corporate world, let's strive to excel,
For nothing is impossible, as long as we sell.

In meetings, we present our pitch,

And sales are made in boardrooms bright,
Our talent, skill, and grit combined,
We work hard to prove our might.

And when the day is done at last,
We head back home with pride and joy,
For we know we've given our best,
In the corporate life, our precious toy.

In the corporate world, you'll find,
A life that requires a hardworking mind,
Each day filled with tasks to complete,
Deadlines to meet and results to compete.

The pressure mounts with each passing day,
Straining every fiber in your being to achieve the way,
Success comes to those who persevere,
Through sweat and tears, you believe without fear.

The journey may be long, and tough,
But the reward is sweeter when you've had enough,
So keep moving forward, steadfast and true,
For in the end, hard work shall see you through!

Manager
Zonal Office Patiala

V-CIP (VIDEO CUSTOMER IDENTIFICATION PROCESS) AND ITS ADVANTAGE IN BANKS

Ghaghu Prasad Tuddu

Video KYC

Video KYC is an additional mode through which users can complete the KYC for their accounts within just a few minutes. During the process, customer's KYC documents are verified and their signatures are recorded through a video call with a bank officer, thus doing away with the need of physically visiting a bank branch

What do you need to initiate a successful Video-KYC?

- Original PAN Card
- Original Aadhaar Card
- Aadhaar Linked Mobile No
- White paper with black/blue pen for capturing signature during Video-KYC
- Ample light and clear background
- Stable network connection
- Presence in India
- Supported Platforms

Video based KYC will be supported on Google Chrome, Microsoft Edge Version10.3 and Safari latest Version and almost any mobile device (iPhone, iPad, Android or tablet).

RBI vide its Notification dated 10.05.2021 amended the Master Direction on KYC to further leverage the Video based Customer Identification Process (V-CIP) and to simplify and rationalize the process of periodic updation of KYC. In order to comply with the RBI guidelines, Bank has made live the V-CIP in the Bank on 08.08.2023 and application is running smoothly in present scenario. Further, Bank has integrate the V-KYC application with online saving accounts and PSB UnIC for better experience of customer to convert the accounts full complied and periodic updation of documents. The advantages of Video KYC (Know Your Customer) in banking include:

1. **Remote:** Verification: Allows customers to complete the KYC process from anywhere, reducing the need for physical presence.
2. **Convenience:** Provides a more convenient and accessible way for customers to verify their identity without visiting a branch. Customer can update the time required for re-KYC verification compared the need for travel and paperwork associated with-in person visits.
3. **Time Efficiency:** Video KYC reduce the time required for re-KYC verification compared to the traditional method, improving the overall efficiency of the process .Speeds up the KYC verification process, saving time for both customers and banks.
4. **Compliance:** Helps banks adhere to regulatory requirements by ensuring a robust and efficient KYC process.
5. **Improved:** Customer Experience: Enhances the overall customer experience by offering a digital and streamlined verification process.
6. **Flexibility:** Allows for KYC verification at any time, offering flexibility to customers with varying schedules.
7. **Reduced:** Paperwork: Minimizes the reliance on physical documents, contributing to a more sustainable and eco-friendly approach.

Overall, Video KYC in banking improves efficiency, security, and the customer experience, aligning with the digital

transformation trends in the financial industry. V-KYV Link is available at Punjab and Sind Bank website (https://punjabandsindbank.co.in/content/vkyc) for performing Video KYC. Video KYC portal consists of customer portal and employee portal.

CUSTOMER PORTAL:

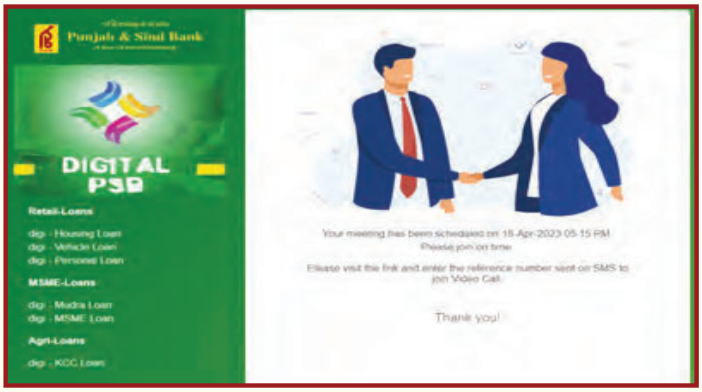

When customer will click on "Let's Go" button, popup message will be shown to customer to enable location and camera

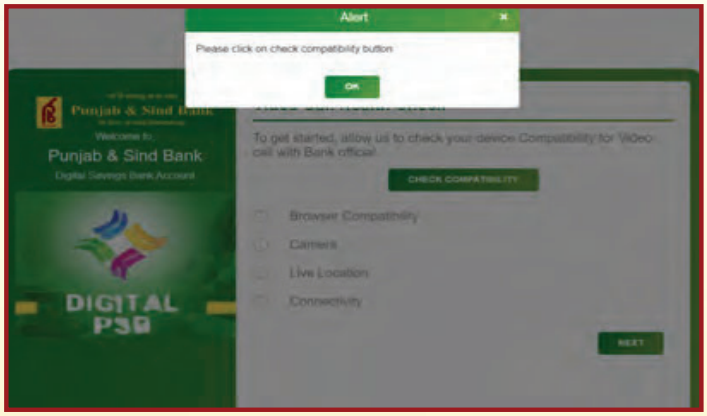

When customer will click on "Let's Go" button, popup message will be shown to customer to enable location and camera

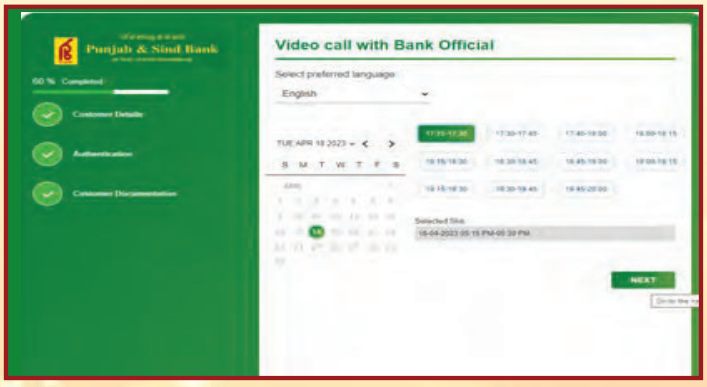

Customer will select preferred language and click on Next option.

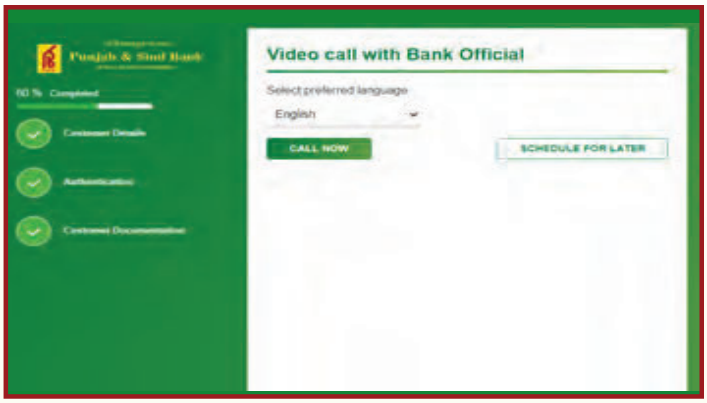

After clicking on Next option below two fields will be displayed

a. Mobile number-Customer needs to type his mobile number

b. Account number-Customer needs to type his account number

When customer will click on "Let's Go" button, popup message will be shown to customer to enable location and camera

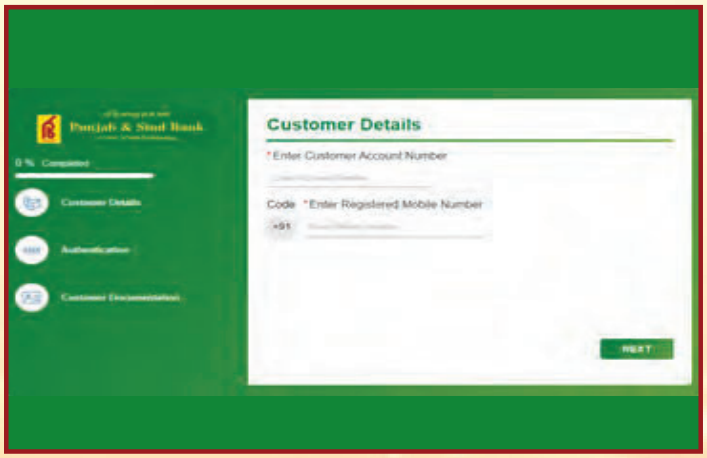

Once the compatibility checked has been done, customer can schedule call for video KYC, by 2 options "Start Video Call"(Instant Video call) or Schedule Video Call.

Based on customer's choice he needs to select one option. If customer selects schedule video call option, customer has to select slots as per availability and click on submit button.

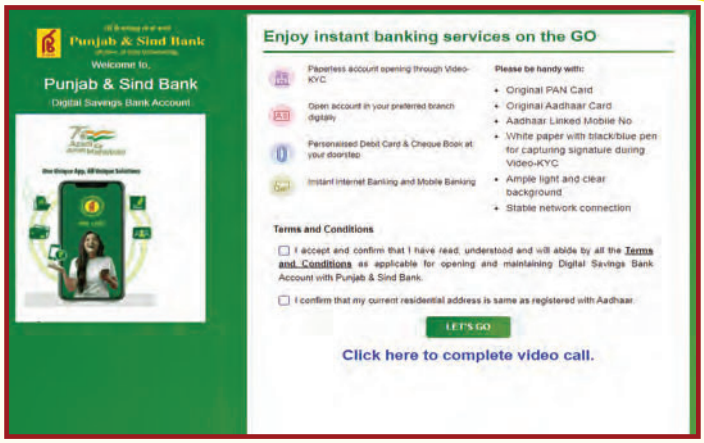

On successful completion of Video Call, completion message will be display on customer registered mobile number.

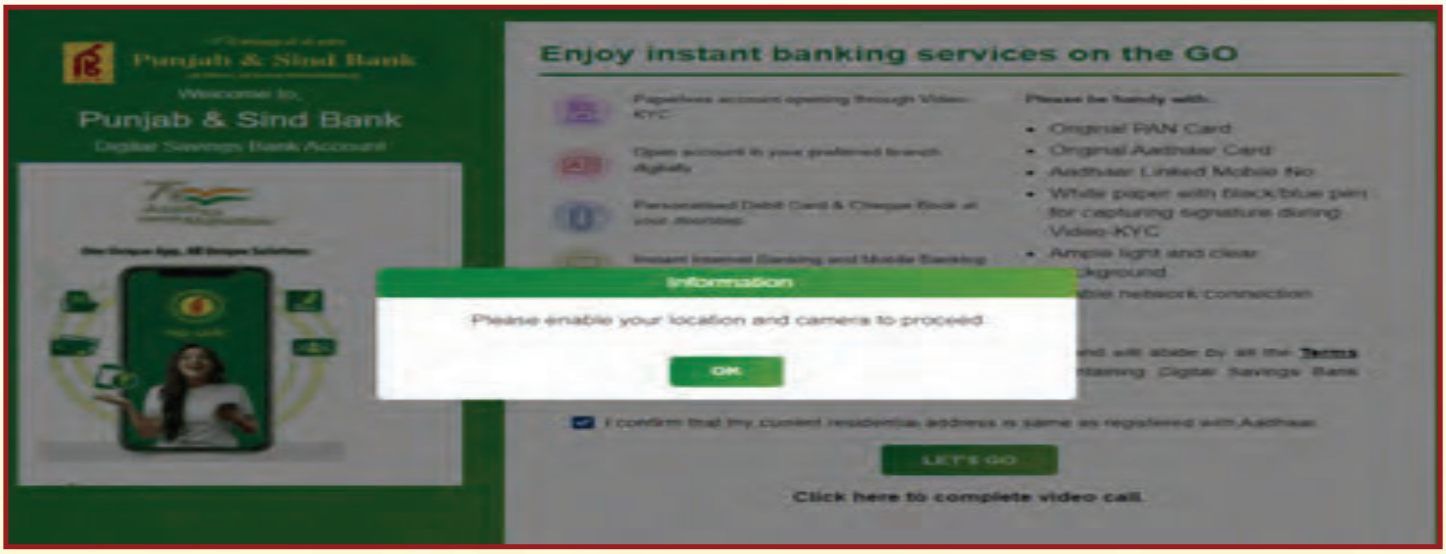

On successful scheduling done by customer following screenshot will be display to customer

Once customer completes scheduling an appointment, request goes to Employee maker to verify customer details

Chief Manager
HO KYC Cell

व्यवसाय में लाभप्रदता और मूल्य प्रणाली

भाविक सरोया

लाभप्रदता और मूल्य प्रणाली व्यापार की दुनिया में दो आवश्यक अवधारणाएं हैं, प्रत्येक एक कंपनी की सफलता और स्थिरता में अलग लेकिन परस्पर भूमिका निभा रही है।

लाभप्रदताः–

लाभप्रदता, लाभ उत्पन्न करने के लिए व्यवसाय की क्षमता को संदर्भित करती है, जो व्यवसाय चलाने से जुड़े सभी खर्चों में कटौती के बाद किया गया वित्तीय लाभ है। यह कंपनी के वित्तीय स्वास्थ्य और दक्षता का एक प्रमुख उपाय है। लाभप्रदता आमतौर पर एक प्रतिशत के रूप में व्यक्त की जाती है और इसकी गणना विभिन्न तरीकों से की जा सकती है, जैसे कि शुद्ध लाभ–मार्जिन, सकल लाभ–मार्जिन और निवेश पर वापसी (आरओआई)। व्यवसाय में लाभप्रदता के बारे में समझने के लिए यहां कुछ पहलू दिए गए हैं।

1. **राजस्व और लागतः** लाभप्रदता एक कंपनी के राजस्व (बिक्री और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों से अर्जित आय) और इसकी लागत (संचालन, उत्पादन, विपणन और प्रशासन में किए गए खर्च) के बीच संतुलन का परिणाम है। किसी कंपनी के लाभदायक होने के लिए, कंपनी का राजस्व, उसकी कुल लागत से अधिक होना चाहिए।
2. **लाभ मार्जिनः** सकल लाभ–मार्जिन और शुद्ध लाभ–मार्जिन जैसे लाभप्रदता अनुपात राजस्व के प्रतिशत को मापते हैं जो विभिन्न लागतों के हिसाब से लाभ के रूप में रहता है। एक उच्च लाभ–मार्जिन, लागत के प्रबंधन और बिक्री से लाभ उत्पन्न करने में बेहतर दक्षता का संकेत देता है।
3. **निवेशक और हितधारक आत्मविश्वासः** निवेशक, शेयरधारक और हितधारक कंपनी की लाभप्रदता की बारीकी से निगरानी करते हैं। लगातार लाभप्रदता संकेत, स्थिरता और अक्सर निवेशकों के बीच उच्च आत्मविश्वास को बढ़ाता है, जिससे संभवतः कंपनी के बाजार मूल्य और स्टॉक मूल्य में वृद्धि होती है।
4. **दीर्घकालिक व्यवहार्यताः** किसी कंपनी की दीर्घकालिक व्यवहार्यता के लिए सतत लाभप्रदता महत्वपूर्ण है। व्यापार, अनुसंधान और विकास, विस्तार और ऋणों के भुगतान में पुनर्निवेश के लिए लाभ आवश्यक हैं। लगातार लाभप्रदता वाली कंपनियां मौसम की आर्थिक मंदी के लिए बेहतर स्थिति में हैं और भविष्य के विकास में निवेश करती हैं।
5. **प्रतिस्पर्धी लाभः** लाभप्रदता, कंपनियों को नवाचार, गुणवत्ता में सुधार और ग्राहकों की संतुष्टि में निवेश करने की अनुमति देती है, जिससे बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ती है। लागत को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने वाले व्यवसाय स्वस्थ लाभ मार्जिन बनाए रखते हुए ग्राहकों को प्रतिस्पर्धी कीमतों की पेशकश कर सकते है।

मूल्य प्रणालीः–

व्यवसाय में एक मूल्य प्रणाली नैतिक सिद्धांतों, विश्वासों और व्यवहारों के एक सेट को संदर्भित करती है जो यह मार्गदर्शन करती है कि कोई कंपनी कैसे काम करती है, निर्णय लेती है, और अपने हितधारकों के साथ बातचीत करती है, जिसमें कर्मचारी, ग्राहक, आपूर्तिकर्ता, और समुदाय शामिल हैं। एक मजबूत मूल्य प्रणाली अपने मूल मूल्यों के साथ कंपनी के कार्यों को संरेखित करती है और एक सकारात्मक संगठनात्मक संस्कृति को बढ़ावा देती है। मूल्य प्रणाली के प्रमुख घटक यहां दिए गए हैं।

1. **नैतिक आचरण–** मूल्य प्रणाली सभी व्यावसायिक व्यवहारों में नैतिक व्यवहार, ईमानदारी, अखंडता और पारदर्शिता पर जोर देती है। नैतिक मानकों का पालन करने से कंपनियां ग्राहकों, कर्मचारियों और जनता के साथ अपने विश्वास को मजबूत करती है।
2. **ग्राहक फोकस–** ग्राहकों की संतुष्टि को प्राथमिकता देना और ग्राहकों को मूल्य प्रदान करना, एक मजबूत मूल्य प्रणाली का एक मूलभूत पहलू है। लंबे समय तक चलने वाले रिश्तों और ब्रांड की वफादारी के निर्माण के लिए

ग्राहकों की जरूरतों और अपेक्षाओं को समझना और पूरा करना आवश्यक है।

3. **कर्मचारी कल्याण**– एक मूल्य प्रणाली जो कर्मचारियों को महत्व देती है, एक सकारात्मक कार्य वातावरण को बढ़ावा देती है। कर्मचारियों के कल्याण और विकास का समर्थन करती है। उचित मुआवजा सुनिश्चित करती है और एक सुरक्षित तथा समावेशी कार्यस्थल प्रदान करती है। कर्मचारी की संतुष्टि और जुड़ाव कंपनी के मूल्य प्रणाली से निकटता से जुड़े होते हैं।

4. **सामाजिक जिम्मेदारी**– एक मजबूत मूल्य प्रणाली वाली कंपनियां अक्सर सामाजिक जिम्मेदारी की पहल, सामुदायिक विकास, पर्यावरणीय स्थिरता और धर्मार्थ गतिविधियों का समर्थन करती हैं। सामाजिक रूप से जिम्मेदार व्यवसाय समाज में सकारात्मक योगदान देते है। सम्मान और विश्वास अर्जित करते हैं।

5. **गुणवत्ता और नवाचार**– उत्पादों और सेवाओं में गुणवत्ता को बढ़ावा देना और नवाचार को प्रोत्साहित करना एक मूल्य प्रणाली के अभिन्न अंग हैं। निरंतर सुधार और उत्कृष्टता प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करने से ग्राहकों की संतुष्टि और बाजार की प्रतिस्पर्धा बढ़ जाती है।

6. **दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य**– एक मूल्य प्रणाली अल्पकालिक लाभ पर दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य को प्रोत्साहित करती है। एक मजबूत मूल्य प्रणाली वाली कंपनियां स्थायी प्रथाओं, अनुसंधान और विकास और कर्मचारी प्रशिक्षण में निवेश करती हैं, जिसका लक्ष्य त्वरित लाभ की बजाय स्थायी सफलता प्राप्त करना है।

लाभप्रदता और एक मजबूत मूल्य प्रणाली का ग्राहकों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है, जो उनकी धारणा, संतुष्टि और व्यवसाय के प्रति वफादारी को प्रभावित करता है। ये दोनों कारक विभिन्न तरीकों से ग्राहक के अनुभव को आकार देते हैं।

1. मूल्य निर्धारण और छूट

- **लाभप्रदता**– उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों या सेवाओं को बनाए रखते हुए लाभदायक व्यवसाय प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण की पेशकश कर सकते हैं। वे पैमाने की कुशल प्रक्रियाओं और अर्थव्यवस्थाओं में निवेश कर सकते हैं, जिससे वे ग्राहकों को सस्ती विकल्प प्रदान कर सके।

- **मूल्य प्रणाली**– एक कंपनी की मूल्य प्रणाली द्वारा निर्देशित इसकी नैतिक मूल्य निर्धारण प्रथाएं यह सुनिश्चित करती हैं कि ग्राहकों से उचित शुल्क लिया जाये. पारदर्शी मूल्य निर्धारण ग्राहकों में विश्वास पैदा करता है और सकारात्मक ग्राहक संबंधों को बढ़ावा देता है।

2. गुणवत्ता और नवाचार

- **लाभप्रदता**– लाभकारी कंपनियां यह सुनिश्चित करते हुए कि ग्राहक विश्वसनीय और अभिनव उत्पाद या सेवाएं प्राप्त करते हैं, अनुसंधान, विकास और गुणवत्ता नियंत्रण में निवेश कर सकती हैं। उच्च लाभप्रदता निरंतर सुधार और नई सुविधाओं या प्रयासों की शुरूआत की अनुमति देती है।

- **मूल्य प्रणाली**– गुणवत्ता और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने वाली एक मजबूत मूल्य प्रणाली उन उत्पादों या सेवाओं की ओर ले जाती है जो ग्राहकों की अपेक्षाओं को पूरा करते हैं या उनसे अधिक होते हैं। नैतिक प्रथाओं से यह सुनिश्चित होता है कि ग्राहक अपने पैसे के लिए मूल्य प्राप्त करें, जिससे उनकी संतुष्टि बढ़े।

3. ग्राहक सेवा और सहायता

- **लाभप्रदता**– लाभदायक व्यवसाय, ग्राहक सेवा अवसंरचना, प्रशिक्षण और प्रौद्योगिकी में निवेश कर सकते हैं। वे कुशल और उत्तरदायी ग्राहक सहायता की पेशकश कर सकते हैं, मुद्दों को तुरंत संबोधित कर सकते हैं और समग्र ग्राहक अनुभव को बढ़ा सकते है।

- **मूल्य प्रणाली**– एक ग्राहक–केंद्रित मूल्य प्रणाली व्यक्तिगत सेवा, सहानुभूति और ग्राहकों की जरूरतों को समझने पर जोर देती है। कंपनी के मूल्यों द्वारा निर्देशित ग्राहक इंटरैक्शन में नैतिक व्यवहार, सकारात्मक ग्राहक संबंध बनाता है।

4. उत्पाद की उपलब्धता और पहुंच

- **लाभप्रदता**– लाभदायक कंपनियां पर्याप्त इन्वेंट्री स्तर बनाए रख सकती हैं और वितरण नेटवर्क का विस्तार कर सकती है। यह सुनिश्चित करता है कि उत्पाद या सेवाएं ग्राहकों के लिए आसानी से उपलब्ध हैं, जिससे सुविधा और पहुंच बढ़ रही है।

- **मूल्य प्रणाली**– नैतिक व्यापार प्रथाओं, जैसे कि निष्पक्ष व्यापार और समावेशिता यह सुनिश्चित करती है कि उत्पाद और सेवाएं, व्यापक ग्राहक आधार तक पहुंच योग्य हैं, जिसमें हाशिए पर रहने वाले समुदाय भी शामिल हैं। सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति प्रतिबद्धता, सामाजिक रूप से जागरूक उपभोक्ताओं के बीच कंपनी की प्रतिष्ठा को बढ़ाती है।

5. विश्वास और प्रतिष्ठा

- **लाभप्रदता–** लाभकारी व्यवसाय एक मजबूत ब्रांड और प्रतिष्ठा बनाने में निवेश कर सकते हैं। वित्तीय स्थिरता और सफलता संकेत विश्वसनीयता और संपन्न कंपनियों पर भरोसा करने वाले ग्राहकों को आकर्षित करते हैं।
- **मूल्य प्रणाली–** नैतिक व्यवहार, सामाजिक जिम्मेदारी पहल और ग्राहकों के साथ पारदर्शी संचार विश्वास और सकारात्मक प्रतिष्ठा बनाने में योगदान करते हैं। मजबूत नैतिक मूल्यों के साथ ग्राहकों द्वारा व्यवसायों का समर्थन करने की अधिक संभावना है।

6. ग्राहक वफादारी और वकालत

- **लाभप्रदता–** लाभदायक कंपनियां वफादारी कार्यक्रमों, पुरस्कारों और प्रोत्साहन में निवेश कर सकती हैं। ग्राहकों की उन व्यवसायों के प्रति वफादार रहने की अधिक संभावना है जो पैसे को मूल्य प्रदान करते हैं और ग्राहक संबंधों को पुरस्कृत करते है।
- **मूल्य प्रणाली–** नैतिक प्रथाओं, सामाजिक कारणों और सामुदायिक भागीदारी के लिए एक कंपनी की प्रतिबद्धता सामाजिक रूप से जागरूक ग्राहकों के साथ प्रतिध्वनित होती है। नैतिक मूल्य ग्राहक वफादारी को प्रेरित करते हैं, क्योंकि उपभोक्ता उन व्यवसायों का समर्थन करना पसंद करते हैं जो उनकी नैतिक मान्यताओं के साथ तालमेल रखते हैं।

7. प्रतिक्रिया और सुधार

- **लाभप्रदता–** लाभदायक व्यवसाय, ग्राहक प्रतिक्रिया, बाजार अनुसंधान और उत्पाद/सेवा संवद्धन करने में निवेश कर सकते है। वित्तीय संसाधन कंपनियों को ग्राहकों की प्राथमिकताओं और बदलते बाजार के रुझान के आधार पर अनुकूलित करने की अनुमति देते हैं।
- **मूल्य प्रणाली–** ग्राहकों की प्रतिक्रिया के लिए एक कंपनी की ग्रहणशीलता और निरंतर सुधार के लिए इसकी प्रतिबद्धता, इसके नैतिक मूल्यों से प्रेरित उत्पादों और सेवाओं के परिणाम हैं, जो ग्राहकों की जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा करते है, ऐसे नैतिक व्यवसाय ग्राहकों की संतुष्टि और ग्राहकों की चिंताओं को तुरंत दूर करने को प्राथमिकता देते हैं।

सारांश में, लाभप्रदता और एक मजबूत मूल्य प्रणाली एक व्यवसाय के साथ अपने अनुभवों, धारणाओं और संबंधों को आकार देकर ग्राहकों को गहराई से प्रभावित करती है। एक लाभदायक व्यवसाय ग्राहकों की संतुष्टि को बढ़ाते हुए गुणवत्ता, नवाचार और ग्राहक सहायता प्रदान करने में निवेश कर सकता है। इसके साथ ही नैतिक मूल्यों द्वारा निर्देशित एक कंपनी विश्वास पैदा करती है, वफादारी को बढ़ावा देती है, जिससे व्यापक स्तर पर ग्राहकों के जीवन और समुदाय पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

लाभप्रदता और एक मजबूत मूल्य प्रणाली का समाज पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है जो सामाजिक और आर्थिक विकास के विभिन्न पहलुओं को प्रभावित करता है। आईये जानने का प्रयास करते हैं कि ये कारक समाज को कैसे प्रभावित करते हैं:–

1. रोजगार और आर्थिक विकास

- **लाभप्रदता–** लाभकारी व्यवसाय रोजगार सृजन और आर्थिक विकास में योगदान करते हैं। वे कर्मचारियों को काम पर रखते हैं, माल और सेवाओं की मांग को प्रोत्साहित करते हैं, और स्थानीय, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं में योगदान करते हैं. इससे बेरोजगारी दर कम होती है और समग्र आर्थिक समृद्धि होती है।
- **मूल्य प्रणाली–** नैतिक व्यवसाय, एक मजबूत मूल्य प्रणाली द्वारा निर्देशित, अक्सर निष्पक्ष श्रम प्रथाओं को प्राथमिकता देते हैं, कर्मचारी अधिकारों को सुनिश्चित करते हैं, और एक सकारात्मक कार्य वातावरण को बढ़ावा देते हैं। यह सभ्य काम की परिस्थितियों और नौकरी की संतुष्टि को बढ़ावा देकर सामाजिक कल्याण में योगदान देता है।

2. शिक्षा और कौशल विकास

- **लाभप्रदता–** लाभदायक व्यवसाय अक्सर शिक्षा और कौशल विकास कार्यक्रमों में निवेश करते हैं। वे अपने कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान कर सकते हैं, शैक्षिक पहल को प्रायोजित कर सकते हैं या शैक्षिक संस्थानों के साथ सहयोग कर सकते हैं। शिक्षा में यह निवेश कार्यबल के कौशल और रोजगार को बढ़ाता है।
- **मूल्य प्रणाली–** नैतिक व्यवसाय शैक्षिक कारणों, छात्रवृत्ति या व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समर्थन कर सकते हैं। शिक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सामाजिक लक्ष्यों के साथ संरेखित करती है, ज्ञान और कौशल के साथ व्यक्तियों को सशक्त बनाती है, जो समुदायों को मजबूत करती है।

3. समाज कल्याण और परोपकार

- **लाभप्रदता–** लाभकारी कंपनियां सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों और परोपकारी पहलों में महत्वपूर्ण योगदान दे

सकती हैं। कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (CSR) गतिविधियों के माध्यम से, वे स्वास्थ्य सेवा, गरीबी उन्मूलन, पर्यावरण संरक्षण और आपदा राहत प्रयासों का समर्थन करते हैं।

- **मूल्य प्रणाली**– एक मजबूत मूल्य प्रणाली सामाजिक जिम्मेदारी पर जोर देती है। नैतिक व्यवसाय सक्रिय रूप से परोपकार में संलग्न होते हैं, धर्मार्थ कार्यों, सामुदायिक विकास और सामाजिक कल्याण परियोजनाओं में योगदान करते हैं। ये प्रयास समाज में जीवन की समग्र गुणवत्ता को बढ़ाते हैं।

4. सामुदायिक विकास और बुनियादी ढांचा

- **लाभप्रदता**– लाभकारी व्यवसाय, विशेष रूप से बड़े निगम, सामुदायिक विकास परियोजनाओं में निवेश करते हैं। वे बुनियादी ढांचे के विकास को निधि दे सकते हैं, जैसे कि स्कूलों, अस्पतालों, सड़कों या स्वच्छ पानी की सुविधाओं का निर्माण, स्थानीय आबादी के जीवन स्तर में सुधार आदि।
- **मूल्य प्रणाली**– नैतिक व्यवसाय अपने संचालन के सामाजिक प्रभाव पर विचार करते हैं। वे पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं और टिकाऊ प्रौद्योगिकियों में निवेश करते हैं, जो पर्यावरण के अनुकूल बुनियादी ढांचे के विकास में योगदान करते हैं जो समाज और पर्यावरण दोनों को लाभ पहुंचाते हैं।

5. पर्यावरणीय स्थिरता

- **लाभप्रदता**– लाभकारी व्यवसाय हरित प्रौद्योगिकियों में निवेश कर सकते हैं, कचरे को कम कर सकते हैं और स्थायी प्रथाओं को अपना सकते हैं। वे अपने पारिस्थितिक पदचिह्न को कम करके और उत्पादन व खपत के लिए अधिक स्थायी दृष्टिकोण को बढ़ावा देकर पर्यावरण संरक्षण में योगदान करते है।
- **मूल्य प्रणाली**– नैतिक व्यवसाय अक्सर पर्यावरण संरक्षण में अग्रणी होते हैं। पर्यावरणीय स्थिरता के लिए उनकी प्रतिबद्धता में अक्षय ऊर्जा अपनाने, अपशिष्ट में कमी और संरक्षण कार्यक्रमों जैसी पहल शामिल हैं, जिनका पर्यावरण और समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

6. सांस्कृतिक संरक्षण और विविधता

- **लाभप्रदता**– लाभकारी व्यवसाय, विशेष रूप से पर्यटन और सांस्कृतिक क्षेत्रों में, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में योगदान कर सकते हैं। वे सांस्कृतिक कार्यक्रमों, विरासत स्थलों या पारंपरिक कला रूपों को प्रायोजित कर सकते हैं, सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा दे सकते हैं और अद्वितीय सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित कर सकते है।
- **मूल्य प्रणाली**– नैतिक व्यवसाय सांस्कृतिक विविधता का सम्मान और प्रचार करते हैं। वे स्थानीय कारीगरों, पारंपरिक शिल्प और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का समर्थन करते हैं, समुदायों के भीतर गर्व और पहचान की भावना को बढ़ावा देते हैं। सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण समाज को समृद्ध करता है और सामाजिक बंधनों को मजबूत करता है।

सारांश में, लाभप्रदता और एक मजबूत मूल्य प्रणाली का समाज पर गहरा प्रभाव पड़ता है जो आर्थिक विकास, शिक्षा, सामाजिक कल्याण, सामुदायिक विकास, पर्यावरणीय स्थिरता, स्वास्थ्य, सांस्कृतिक संरक्षण और समग्र कल्याण को प्रभावित करता है। नैतिक मूल्यों के साथ लाभप्रदता को संतुलित करने वाले व्यवसाय, समाज में सकारात्मक योगदान देते हैं, एक सहजीवी संबंधों का निर्माण करते हैं जहां सामाजिक उन्नति और व्यावसायिक सफलता की संभावना बढ़ जाती है।

व्यवसायों में लाभप्रदता और एक मजबूत मूल्य प्रणाली का प्रभाव राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण है। जब व्यवसाय नैतिक सिद्धांतों और एक मजबूत मूल्य प्रणाली का पालन करते हुए लाभप्रद रूप से काम करते हैं, तो वे एक राष्ट्र के समग्र विकास, स्थिरता और प्रगति में योगदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है।

1. आर्थिक विकास और समृद्धि–

- **लाभप्रदता**– लाभकारी व्यवसाय राजस्व पैदा करके, रोजगार सृजन और नवाचार को बढ़ावा देकर देश की आर्थिक वृद्धि में योगदान करते हैं। एक संपन्न व्यावसायिक क्षेत्र आर्थिक उत्पादकता को बढ़ाता है जिससे सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि होती है और नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार होता है।
- **मूल्य प्रणाली**– नैतिक व्यवसाय प्रथाएं निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करती हैं, भ्रष्टाचार को रोकती हैं और पारदर्शिता को बढ़ावा देती हैं। जब व्यवसाय नैतिक रूप से संचालित होते हैं, तो यह आर्थिक विकास के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देता है, निवेश को आकर्षित करता है और एक स्थिर अर्थव्यवस्था का निर्माण करता है।

2. रोजगार के अवसर–

- **लाभप्रदता**– लाभकारी व्यवसाय रोजगार के अवसर पैदा करते हैं, बेरोजगारी दर को कम करते हैं और व्यक्तियों को स्वयं और उनके परिवारों का समर्थन करने का साधन प्रदान करते हैं। लाभकारी रोजगार आर्थिक सशक्तीकरण के

माध्यम से गरीबी को कम करता है और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों पर निर्भरता को कम करता है।

- **मूल्य प्रणाली**– नैतिक व्यवसाय निष्पक्ष श्रम प्रथाओं को प्राथमिकता देते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि कर्मचारियों के साथ समान और सम्मान के साथ व्यवहार किया जाता है। यह एक प्रेरित और उत्पादक कार्यबल को बढ़ावा देता है, जो देश के मानव पूंजी विकास में योगदान देता है।

3. अवसंरचना विकास

- **लाभप्रदता**: लाभदायक व्यवसाय अक्सर परिवहन, ऊर्जा और संचार प्रणालियों सहित बुनियादी ढांचे के विकास में निवेश करते हैं। ये निवेश कनेक्टिविटी को बढ़ाते हैं, व्यापार को सुविधाजनक बनाते हैं, और राष्ट्र के भीतर समग्र पहुंच में सुधार करते हैं।
- **मूल्य प्रणाली**: आवश्यक बुनियादी ढांचे के विकास का समर्थन करके नैतिक व्यवसाय समुदाय में योगदान करते हैं। सामाजिक जिम्मेदारी के लिए उनकी प्रतिबद्धता यह सुनिश्चित करती है कि बुनियादी ढांचा परियोजनाएं स्थानीय आबादी के लिए पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ और फायदेमंद हैं।

4. नवाचार और प्रौद्योगिकी उन्नति

- **लाभप्रदता**– लाभदायक व्यवसाय अनुसंधान और विकास योजनाओं, नवाचार और तकनीकी प्रगति में निवेश करते हैं। नवाचार नए उत्पादों, सेवाओं और उद्योगों के निर्माण द्वारा आर्थिक विविधीकरण और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देता हैं।
- **मूल्य प्रणाली**– नैतिक व्यवसाय यह सुनिश्चित करते हुए जिम्मेदार नवाचार को प्राथमिकता देते हैं कि तकनीकी प्रगति समाज को नुकसान पहुंचाए बिना कैसे लाभान्वित करती है। वे पर्यावरण के अनुकूल प्रौद्योगिकियों और टिकाऊ प्रथाओं में निवेश करते हैं और एक हरियाली और अधिक तकनीकी रूप से उन्नत राष्ट्र में योगदान करते है।

5. समाज कल्याण और सामुदायिक विकास

- **लाभप्रदता**– लाभकारी व्यवसाय सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और गरीबी उन्मूलन पहल में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उनके वित्तीय योगदान सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा देते हैं और नागरिकों की समग्र भलाई में सुधार करते हैं।
- **मूल्य प्रणाली**– नैतिक व्यवसाय परोपकारी गतिविधियों और सामुदायिक विकास परियोजनाओं में संलग्न हैं। सामाजिक मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता यह सुनिश्चित करती है कि हाशिए पर रहने वाले समुदायों को समर्थन मिले, समावेशिता को बढ़ावा मिले और सामाजिक विषमताओं को कम किया जा सके।

6. पर्यावरणीय स्थिरता–

- **लाभप्रदता**– लाभकारी व्यवसाय अपने पर्यावरणीय प्रभाव को कम करते हुए स्थायी प्रथाओं में निवेश करते हैं। पर्यावरण के अनुकूल प्रौद्योगिकियों को अपनाने और जिम्मेदार संसाधन प्रबंधन को बढ़ावा देने से, वे पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास में योगदान करते है।
- **मूल्य प्रणाली**– नैतिक व्यवसाय पर्यावरणीय स्थिरता को प्राथमिकता देते हैं, संरक्षण प्रयासों का समर्थन करते हैं और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देते हैं। पारिस्थितिक संरक्षण के लिए उनकी प्रतिबद्धता वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करती है।

अतः यह कहा जा सकता है कि व्यवसायों की लाभप्रदता और मजबूत मूल्य प्रणाली राष्ट्र निर्माण में मूलभूत स्तंभ हैं। लाभदायक व्यवसाय आर्थिक विकास को बढ़ावा देते हैं, रोजगार प्रदान करते हैं, नवाचार को बढ़ावा देते हैं, और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों में योगदान करते हैं। जब एक मजबूत मूल्य प्रणाली द्वारा निर्देशित नैतिकता, सामाजिक जिम्मेदारी और स्थिरता पर जोर दिया जाता है तो व्यवसाय एक समृद्ध, न्यायसंगत और टिकाऊ राष्ट्र के निर्माण में सक्रिय भागीदार बन जाते हैं। उनका योगदान आर्थिक सफलता से परे है जो एक राष्ट्र के विकास और प्रगति रूपी कपड़े को व्यापक आकार देता है।

लिपिक,
अंचल कार्यालय, जालंधर

अविस्मरणीय घटना

पूनम शर्मा

हमारे जीवन में ऐसे कई पल होते हैं, जो अविस्मरणीय बन जाते हैं .....पर समय के साथ–साथ वह यादों में धुंधले हो जाते हैं।

वर्ष 2020 में कोरोना काल, शायद ही किसी व्यक्ति के लिए भूलने लायक हो।

कोरोना बीमारी, जिसमें सांस लेने से भी डर लगने लगे। यह बीमारी छूने, पास बैठने और यहां तक कि संक्रमित व्यक्ति के 1 मीटर के संपर्क में आने से भी हो रही थी। इस बीमारी का ना ही कोई इलाज था और ना ही कोई टीका।

पूरा देश डरा हुआ था और जब देश में लॉकडाउन की घोषणा हुई तो यह भय और बढ़ गया। चारों तरफ सन्नाटा और डर का माहौल था, सभी लोग घरों में कैद हो गए। इस समय में केवल आवश्यक सुविधाएं जैसे बैंक, अस्पताल और पुलिस प्रशासन ही अपनी सेवाएं दे रहे थे।

परंतु इस समय में जो वर्ग सबसे ज्यादा मुश्किल में थे, वह था मजदूर वर्ग! जो प्रत्येक दिन मजदूरी करके अपना जीवन यापन करते थे। उनके लिए लॉकडाउन में जीवन यापन की मुश्किल खड़ी हो गई। कई मजदूर अपने घर से कई कोस दूर रहकर गुजर–बसर करते थे। वह सब लॉकडाउन में बेरोजगार हो गए। कदाचित किसी को उनका ख्याल नहीं आया।

और फिर देखने को मिला वह दृश्य, जिसकी कल्पना भी नहीं की थी। हजारों मजदूर, पैदल ही अपने घर की तरफ जाने लगे। लॉकडाउन के समय सभी परिवहन के साधन रोक दिए गए। ट्रेन, बस, हवाई जहाज सभी से यात्रा पर रोक लग गई थी। इस स्थिति में यह मजदूर भाई पैदल यात्रा करने को विवश थे।

उस समय,

मैं भी बैंककर्मी होने के नाते बैंक में अपनी सेवाएं प्रदान करने जाती रही। मैंने देखा कई लोग पैदल, सर पर सामान लेकर

चलते दिखते थे। कुछ अपने छोटे–छोटे बच्चों को अपने कंधों पर बिठाकर पदयात्रा कर रहे थे। ऐसे समय में कुछ बस सेवाएं शुरू भी की गईं। परंतु वह इतने सारे लोगों को ले जाने में असमर्थ थी। बस स्टैंड पर खड़े हजारों मजदूर और उन्हें ले जाने के लिए मात्र 2 बसें। कोरोना काल में इतनी भीड़ को एक साथ देख कर ही हृदय दहल उठता है। टीवी पर यह मंजर देखकर मेरा मन बहुत व्यथित हुआ।

यह घटना उन्हीं दिनों की है, जब मैं बैंक में कैशियर के पद पर कार्यरत थी। कैश की सीट पर कोरोना का खतरा ज्यादा था, क्योंकि नोटों पर वायरस ज्यादा दिन तक रहता था। मैं मास्क और दस्ताने पहनकर नोट लेती और सावधानी से उन्हें, बॉक्स में रख देती।

एक दिन, एक महिला अपने साथ 2 साल के बच्चे को लेकर, बैंक में दाखिल हुई। इस बच्चे के शरीर पर बस एक निक्कर था, उस उस महिला ने बच्चे को कंधे पर बिठा रखा था। हमारे पास आते ही उसने साड़ी से अपना मुंह ढक लिया, वह बोली..."मेरे खाते में सरकार की तरफ से पैसा आया है क्या?" उन दिनों सरकार जनधन खातों में अनुदान राशि जमा करवा रही थी। परंतु, उस महिला के खाते में अनुदान का पैसा नहीं आया था। यह सुनकर वह दुखी होकर वापस चली गई।

2 दिन बाद वह फिर आई पर उसके खाते में पैसे नहीं आए थे, यह सुनकर कर वह रोने लगी! मैंने उससे पूछा तुम क्या काम करती हो? "वह रोते हुए बताने लगी कि लॉकडाउन से पहले वह मजदूरी का काम करती थी, पर अब लॉकडाउन के बाद उसके पास खाने तक के पैसे नहीं है। उसका घर भी इतना दूर है कि वह पैदल वहां तक नहीं जा सकती। मुझसे उसका यह दुख देखा ना गया, मैंने अपनी तरफ से उसे ₹ 500 देकर कहा..... यह रख लो, पर उसने इंकार कर दिया। शायद उसके आत्मसम्मान को ठेस पहुंची थी। मैंने तुरंत कंप्यूटर की तरफ देख कर कहा ''तुम्हारे खाते में अनुदान की राशि आ गई है, मुझसे देखने में भूल हो गई'' यह सुनकर उसने तुरंत पैसे ले लिए। मैंने उसे अपनी तरफ से उसे मास्क और दस्ताने भी दिए..... वह दुआएं देती हुई चली गई।

इस घटना को काफी वक्त गुजर गया। लॉकडाउन खत्म होने के बाद जिंदगी फिर से पटरी पर आने लगी। एक दिन वही महिला बैंक में आई, मेरे पास आकर अभिवादन करते हुए बोली..."मैडम अब तो मुझे और मेरे पति को काम मिलने लगा है, मैं बीच में भी एक बार अपनी पासबुक भरवाने आई थी पर उस दिन आप छुट्टी पर थी। पासबुक से ही मुझे पता चला कि वह पैसे आपने अपनी तरफ से दिए थे..... अब तो मेरे खाते में सरकार की तरफ से भेजे पैसे आ गए हैं..... यह लीजिए..... कहकर उसने ₹ 500 का नोट मेरी तरफ बढ़ा दिया।

मैं विस्मय से देखती रह गई!

आज के युग में जब लोग ,लाखों–करोड़ों के मालिक होकर भी. ....कर्जा लेकर भी वापस नहीं चुकाते .....वह महिला मेरे ₹ 500 लौटाने आई थी..... जबकि उसे इसकी मुझसे कहीं ज्यादा जरूरत थी। उसकी ईमानदारी देखकर मेरा मन प्रसन्न हो गया। मुझे लगा आज भी दुनिया में सच्चाई और ईमानदारी जीवित है। यह घटना आज भी मेरे लिए अविस्मरणीय है।

लिपिक
शाखा निर्माण नगर, जयपुर

Board of Directors

Dr. Charan Singh (Non-Executive Chairman), Shri Swarup Kumar Saha (MD & CEO), Dr. Ram Jass Yadav (Executive Director), Shri Ravi Mehra (Executive Director), Ms. M.G. Jayasree (MOF Nominee Director), Shri K P Patnaik (RBI Nominee Director), Shri Shankar Lal Agarwal (Non-Official Director), Shri Tirath Raj Mendiratta (Shareholder Director)

Hon'ble Finance Minister Smt. Nirmala Sitaraman gracing Credit Outreach Programme at Trivandrum. Our Trivendrum Branch Customer received sanction letter in the presence of General Manager Shri Gajraj Devi Singh Thakur.

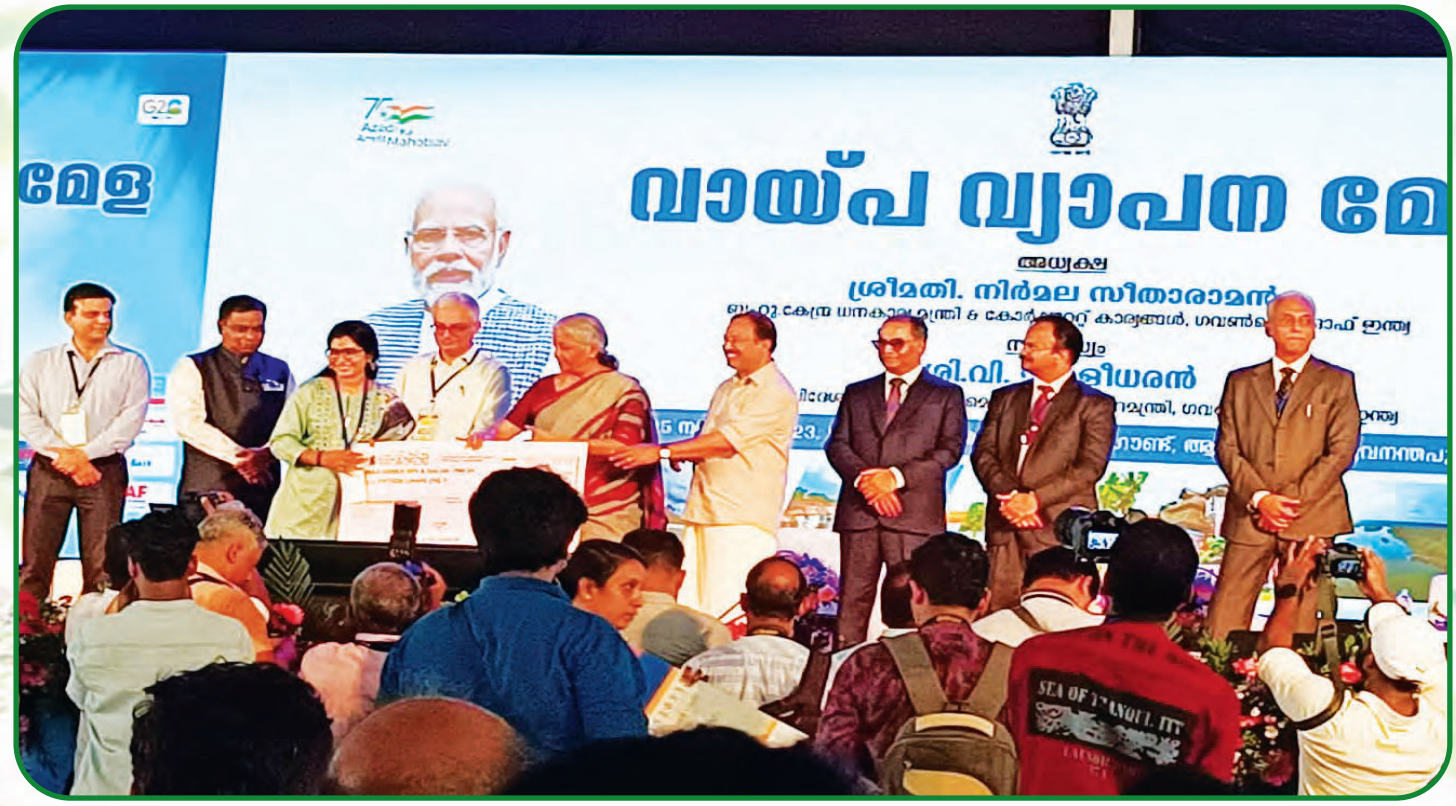

ੴ ਸ੍ਰੀ ਵਾਹਿਗੁਰੂ ਜੀ ਕੀ ਫ਼ਤਹਿ

पंजाब एण्ड सिंध बैंक
(भारत सरकार का उपक्रम)

Punjab & Sind Bank
(A Govt. of India Undertaking)

Where service is a way of life

PSB UnIC
You & I Connected
Mobile & Internet Banking Solution

आज़ादी का अमृत महोत्सव

G20 भारत 2023 INDIA

PSB
has launched

Whatsapp Banking

Services available for Existing Customers

- Balance Enquiry
- Mini Statement
- Account Information

Services available for Existing as well as New Customers

- Account Opening
- Apply Loan
- Apply POS
- PSB UnIC
- Tutorial Video
- Offers
- Branch Locator
- FAQ
- Contact us
- Complaints

https://punjabandsindbank.co.in

e-mail: ho.customerexcellence@psb.co.in

1800 419 8300 (Toll Free)

Follow us @PSBIndOfficial

Printed & Designed at Infinity Advertising Services Private Limited, Faridabad